



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25 ] नई दिल्ली, शनिवार, जून 24, 1978 (आषाढ़ 3, 1900)

No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 24, 1978 (ASADHA 3, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसंचाराएं।

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 मई 1978

सं० ए० 12026/1/78-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी स्वागती तथा स्थानापन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एस० एस० शोपड़ा को 3-5-1978 से तीन मास की अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्वागत अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 मई 1978

सं० ए०-12019/2/78-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना दिनांक 18 मार्च, 1978 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के स्थायी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भार्गव तथा श्री चन्द्र किरण को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से

1—126GI/78

तदर्थ आधार पर 1-5-1978 से 31-7-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आवेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

प्रा० ना० मुखर्जी,  
उप सचिव  
कृते सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एस० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 31-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(2):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-78 के अनुक्रम में, गंध लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 31-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(3):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, गंध लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 31-7-1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(5):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 15-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(6):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मणि० को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 8-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(7):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नदराजन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 7-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० II(8):—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० आर० खन्ना को, राष्ट्रपति द्वारा 8-5-78 से 30-6-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(9):—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० के० छिगरा को, राष्ट्रपति द्वारा 10-5-78 से 9-6-78 तक 31 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, [जो

भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,  
उप सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय  
कर्मचारी चयन आयोग  
कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग  
नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1978

सं० 10/112/75-प्रशासन:—श्री के० गुडाना, सांख्यिकीय अन्वेषक, ए० एस० ओ०, महालेखाकार की शाखा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी का कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, जो इस समय कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली में अधीक्षक (हौलिरिथ) के रूप में स्थानापन्थ है, को एतद्वारा, 6 मई, 1978 के पूर्वाह्न से इस आयोग में अधीक्षक (हौलिरिथ) के रूप में स्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० हामिद,  
अध्यक्ष,  
कर्मचारी चयन आयोग

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,  
नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 जून 1978

सं० ओ० दो० 270/69-स्थापना:—श्री डी० पी० शर्मा ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, कमांडेंट, 6वीं वाहनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, के पद का कार्यभार 30-11-77 (अपराह्न) को त्याग दिया है।

दिनांक 2 जून 1978

सं० ओ० दो० 894/74-स्थापना:—श्री एस० पी० कठपालिया, अनुभाग अधिकारी/प्रशासन अधिकारी, महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, की सेवायें स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को दिनांक 20-5-78 (पूर्वाह्न) से सौप दी गई हैं।

दिनांक 3 जून, 1978

सं० ओ० दो० 1083/78-स्थापना:—राष्ट्रपति, डाक्टर वी० श्रीनिवासा राव को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 14 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1086/78-स्थापना:—राष्ट्रपति, डाक्टर एस० राजन को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 4 मई, 1978 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 26 मई 1978

सं० ई० 38013(1)/1/78-कार्मिक—भिलाई से स्थानांतरण होने पर श्री बी० आर० लूधरा, भा० पु० से० (मध्य प्रदेश-60) ने 6 मई, 1978 के अपराह्न से के० आ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 29 मई 1978

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक—पटना को स्थानांतरण होने पर श्री एस० पी० द्विवेदी ने 28 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से के० आ० सु० ब० यूनिट टी० आई० एफ० नैनी के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पटना से स्थानांतरण होने पर श्री एस० के० ऋषि ने 28 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से टी० आई० एफ० नैनी के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 31 मई 1978

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक—मथुरा मे स्थानांतरण होने पर श्री भूपिंदर सिंह राणा ने 3 मई, 1978 के अपराह्न से के० आ० सु० ब० यूनिट आर० एस० पी० राऊरकेला के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—न्यू जलपायगुरी में स्थानांतरण होने पर श्री के० पी० नायक ने 27 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से के० आ० सु० ब० यूनिट कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, कलकत्ता के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—नैनी मे स्थानांतरण होने पर श्री एस० के० ऋषि ने 25 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से के० आ० सु० ब० यूप मुख्यालय पटना के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रा० च० गोपाल,

महानिरीक्षक,  
के० आ० सु० ब०

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 29 मई 1978

सं० 485/ए०—दि० 30-4-78 के क्रम में सर्वश्री जे० एच० सव्यद और आर० व्यक्टरमन को उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप मे 30-6-78 तक उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

श्री० सी० मुखर्जी,

महा प्रबंधक,  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 जून 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/24/76—वर्तमान, कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के रु० 650-1200 रु० के वेतनमान वाले पद को प्रशासन अधिकारी रु० 840-1200 के वेतनमान में पदोन्नयन हुए पद के अनुसरण में, केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग, वित्त मंत्रालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सी० सी० उपिण्ठुण्णन की, जो कि इस समय कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर है, पदोन्नत पद पर प्रशासन अधिकारी के रूप में दिनांक 1-6-1978 से आगामी आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री जगन्नाथ गुप्ता स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (स्थायी कारखाना उत्पादन) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (स्थायी कारखाना उत्पादन) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री अरुण कुमार इंगले स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (स्थायी कारखाना उत्पादन) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (स्थायी कारखाना अनुसन्धान एवं प्रयोगशाला) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री व्याय जनार्दनराव स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आपसेट मुद्रण) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त

नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री एन० आर० जयरामन स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (स्टूडियो एवम् केमरा) को रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री रामपाल सिंह स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट मुद्रण) को रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेटनिर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री 'समरेन्द्र दास स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट मुद्रण) को रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी मुद्रण एवम् प्लेटमेकिंग) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री एम० दत्ता स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (उत्कीर्णन) को रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवम् उत्कीर्णन) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री एम० पौनुषुराई स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (विद्युत अभिरूपण) को रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

पी० एस० शिवराम,  
महा प्रबन्धक

कार्यालय महालेखाकार हरियाणा  
चण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1978

स० क० प्र०/235—उप-महालेखाकार (प्र०) कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा चण्डीगढ़ ने केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण व अपील) नियम, 1965 खंड 19 (11) तथा नियम 12, में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री स्वामी सरन सत्संगी, प्रवरण लेखा परीक्षक को, उन्हीं नियमों के नियम 11 (ix) के अधीन, कार्यालय आदेश सं० क०/162 दिनांक 14-3-78 ए० प्रशासन 1/की० ए० जी० प०/एस० पी०/गोपनीय/अ०(1) 5297 दिनांक 14-3-78 द्वारा निर्गमित की गई दिनांक 7/1/1973 से सरकारी सेवा से निकालने का दाढ़ दिया जो कि भविष्य में सरकारी सेवा के लिए अयोग्य होगा।

एम० एस० ग्रोवर,  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश—प्रथम  
इलाहाबाद, दिनांक 29 मई 1978

सं० का० आ० प्रशासन 1/11-144(xiv)/44—महा-लेखाकार उत्तर प्रदेश प्रथम इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश प्रयत्न इस कार्यालय में स्थानापन लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

सर्वश्री

1. जगदीश नारायण खन्ना	12-5-78 पूर्वाह्नि
2. श्री राम II	18-5-78 पूर्वाह्नि
उ० रामचन्द्र राष्ट्र, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)	

नई दिल्ली-110054, दिनांक 3 जून 1978

सं० का० आदेश प्रशासन 5/76/23(ए) (2) अधिसूचनाएं—  
मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तार ने डाक-तार लेखा परीक्षा संगठन  
के अनुभागाधिकारी श्री डब्ल्यू सी० सचदेव को, नेहरू विश्व-  
विद्यालय में वेतनमान रुपये 840-1200 पर सहायक वित्तीय  
अधिकारी का पद सम्भालते हुए, दिनांक 24-11-75 से मूल-  
नियम 30(1) के द्वितीय परन्तुक के अधीन लेखा अधिकारियों  
(अब लेखा परीक्षाधिकारियों) के ग्रेड रु 840-40-1100

दक्षतारोध-40-1200 में स्थानापन्न क्षमता से नियुक्त किया  
है। उसकी पदोन्नति तदर्थ आधार पर है तथा संशोधनाधीन है।

सं० का० आदेश प्रशासन 5/73/23(ए) (2) अधिसूचनाएं—  
मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तार ने निम्नलिखित अनु-  
भागाधिकारियों की पदोन्नति कर उनको स्थानापन्न लेखा परी-  
क्षाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हे प्रत्येक के  
सामने उल्लिखित डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में  
अगले आदेशों तक तैनात किया गया है। उनकी पदोन्नतियां  
तदर्थ आधार पर हैं और संशोधनाधीन हैं।

क्रम नाम	डा० ता० शा० ले० परी०
संख्या	का॒ जिससे अनुभागाधि- कारी सम्बन्धित है

डा० ता० शा० ले० परी०	लेखा परीक्षा अधिकारी
का॒ जिससे अनुभागाधि- कारी सम्बन्धित है	के रूप में पदोन्नति की तिथि नियुक्त किया गया है।

### सर्वश्री

- |                        |             |
|------------------------|-------------|
| 1. एस० सुन्दराराजन     | नागपुर      |
| 2. जी० रामाचन्द्रा राव | हैदराबाद    |
| 3. एम० गणपति           | मद्रास      |
| 4. ई० पुरुषोपाध्मन्    | तिवेन्द्रम् |
| 5. सुखबीर सिह          | कपूरथला     |

- |        |                       |
|--------|-----------------------|
| जयपुर  | 9-2-1978 (अपराह्न)    |
| भोपाल  | 17-2-1978 (पूर्वाह्न) |
| नागपुर | 23-2-1978 (पूर्वाह्न) |
| नागपुर | 6-3-1978 (पूर्वाह्न)  |
| जयपुर  | 24-4-1978 (पूर्वाह्न) |

एस० कृष्णन, वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक

### रक्षा मन्त्रालय

दिनांक 31 मई 1978

महानिदेशालय, आईनेन्स फैक्टरिया

भारतीय आईनेन्स, फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1978

सं० 20/जी०/78—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों  
को स्थानापन्न प्रबन्धक / सीनियर ई० ई० जी० औ० एफ०  
के पद पर, उनके सामने दर्शाया गई तारीख से, आगामी न होने  
तक, नियुक्त करते हैं।

(1) श्री एस० के० भाटिया, 22 जून, 1976  
स्थायी उप-प्रबन्धक

(2) श्री डी० एन० सरकार, 22 जून, 1976  
स्थायी डी० ए० डी० जी०

दिनांक 30 मई 1978

सं० 24/78/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष)  
प्राप्त कर, श्री आर० एन० सेनगुप्ता, स्थायी डी० ए० डी०  
जी० औ० एफ० दिनांक 30 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) से सेवा  
निवृत्त हुए।

सं० 25/78/जी०—सेवा निवृत्त पूर्व अवकाश की समाप्ति  
पर, निम्नलिखित अधिकारीण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई  
तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—

- |   |                                |
|---|--------------------------------|
| 1. श्री एम० ए० डी० सूजा,<br>स्थायी उप-महाप्रबन्धक   | —31 अगस्त, 1977<br>(अपराह्न)   |
| 2. श्री जे० पी० शुक्ल,<br>स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक<br>(मौलिक एवं स्थायी स्टोर<br>होल्डर) | 31, जुलाई, 1977<br>(अपराह्न)   |
| 3. श्री एच० एन० मित्रा,<br>स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक<br>(मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)         | 30, सितम्बर, 1977<br>(अपराह्न) |
| 4. श्री कं० डी० चक्रवर्ती<br>स्थानापन्न सहायक-प्रबन्धक<br>मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)        | 31, दिसम्बर, 1977<br>(अपराह्न) |

सं० 26/78/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारी गण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री बी० पार्थसारथी, 30 जून, 1977 (अपराह्न) स्थायी प्रबन्धक
2. श्री आर० एन० मैत्रा, 31 मई, 1977 (अपराह्न) स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक  
(मौलिक एवं स्थायी फोरमेन)

सं० 27/78/जी०—दिनांक 1-9-1975 से दो वर्षों की पुनः नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर, श्री एम० एस० सुश्रहमायम, अस्थायी प्रबन्धक, दिनांक 31, अगस्त/ 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेस्ट फैक्टरियां

#### उच्चोग मन्त्रालय

##### ओद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उच्चोग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1978

सं० 12/490/65-प्रशासन (राजपत्रित)—निदेशक, लघु उच्चोग सेवा संस्थान, मद्रास द्वारा स्वीकृत 22 दिन (16-2-78 से 9-3-78 तक) के अर्जित अवकाश की समाप्ति पर श्री सी० दौराली उपनिदेशक (यांत्रिक) लघु उच्चोग विकास संगठन के सेवाएँ 10-3-78 (पूर्वाह्न) से विषयन प्रबन्धक के रूप में उनकी नियुक्ति हेतु परियोजना व उपकरण निगम लि० को सौंपी जाती हैं।

वी० वेंकटरायलय,  
उपनिदेशक (प्रशा०)

#### वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 30 मई 1978

सं० 10 (1)/73-78/सी० एल० वी०-II—कपास नियंत्रण आवेदन, 1955 के खंड 5 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए से एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10 (1)/73-74/सी० एल० बी० II दिनांक 19 दिसम्बर 1974 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

एक. (1) उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में क्रमसंख्या 1 के सामने स्तम्भ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “एक मास” इन शब्दों के स्थान पर “दो मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(2) क्रमसंख्या 2 के सामने स्तम्भ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “दो मास” इन शब्दों के स्थान पर “साढ़े तीन मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(3) क्रमसंख्या 3 के सामने स्तम्भ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “डेक्ल मास” इन शब्दों के स्थान पर “तीन मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

दो. अनुसूची के नीचे द्वितीय परन्तुक में “तीन मास” शब्दों के स्थान पर “साढ़े चार मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

तीन. ये परिशोधित स्टाक सीमायें 1 जून 1978 से प्रभावी होंगी।

गौरी संकर भार्गव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

#### पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1978

सं० प्र०-6/247 (347)/62—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा के (ग्रुप ए० ग्रेड-II) इंजीनियरी शाखा के अधिकारी श्री एम० शंकरालिंगम, को 26-4-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक, सेवा के मुपर ए० ग्रेड-1 में स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० शंकरालिंगम ने 17-4-78 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के निरीक्षण स्कन्ध के मुख्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (छन्जी) का पदभार छोड़ दिया तथा कलकत्ता निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में 26-4-78 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक का पद भार ग्रहण कर लिया।

सं० प्र०-6/247 (495)/64-III—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा के (ग्रुप ए० ग्रेड-II) धातुकर्म शाखा के अधिकारी श्री के० एम० तनेजा को 22-4-78 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक, सेवा के ग्रुप ए ग्रेड 1 में स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री के० एम० तनेजा ने 15 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के निरीक्षण स्कन्ध के मुख्यालय में उप निदेशक (निरीक्षण) (धातु) का पद भार छोड़ दिया तथा धातुकर्म निरीक्षणालय, बंगेपुर में 22-4-78 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन),  
बूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

#### इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 मई 1978

सं० 3988/बी०-1/40/59/सी०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री बी० के० चटर्जी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमनुसार 650-30-740-35-810- द० रो० -35-880-40-1000 -द० रो० -40-1200 रु० के बेतनमान में, तर्ज

प्राधार पर, आगामी आदेश होने तक, 3-4-78 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के केन्द्रीय थेट्र के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० आर० विश्वास के स्थान पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एम० कृष्णस्यामी,  
महानिदेशक

### भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 31 मई 1978

सं० ए-19011/234/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री ए० एन० माकोडे को 2 मई, 1978 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान व्यूरो में सहायक ग्रामस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

पाच० के० तनेजा,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते नियंत्रक

### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

#### महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 30 मई 1978

सं० स्था० 1-5371/579-सल० 74 (कला-II)—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या स्था० 1-5213/579-सल० 74 (कला II) दिनांक 4 मई, 1977 के अनुक्रम में श्री जे० ए० शर्मा, अधिकारी सर्वेक्षक ग्रुप 'बी' सेवा, की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30-3-78 से एक साल के लिए और या उस समय तक जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला,  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक

### राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 जून 1978

सं० 11-17/75-ए० 1—श्री डब्ल्यू० ए० शिंगन, सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड I (ओ० आर०) को बिल्कुल तदर्थ आधार पर 20 मई 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक [डा० सर्वत अली, अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) जो अवकाश पर हैं, उनके स्थान पर] स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) (राजपत्रित श्रेणी 2) नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के दावे का कोई अधिकार नहीं देती, और न ही आगे उच्च पद में पदोन्नति मन्त्रवन्धी ग्रहता व वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए गिनी जाएगी।

सनन्दन प्रसाद,  
अभिलेख निदेशक

### विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

#### राष्ट्रीय पटलम संस्था

कलकत्ता-70009, दिनांक 1 जून 1978

सं० 29-16/77 संस्था—श्री ए० पी० काला वरिष्ठ योध सहायक राष्ट्रीय पटलम संस्था में विषुद्ध अस्थाई एवं तदर्थ रूप में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी 10 मई 1978 ने अग्रिम आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 जून 1978

सं० 35-2/75-संस्था०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर० के० चन्द्रा स्थाई वरिष्ठ योध सहायक को राष्ट्रीय पटलम संस्था में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में अग्रिम आदेश होने तक पदोन्नति किया जाता है जो 5-5-1978 (मध्याह्न पूर्व) से लागू होगा।

श्री पी० के० अधिकारी, क्षेत्राधिकारी २१८८२ १८८८ संस्था में विषुद्ध अस्थाई एवं तदर्थ रूप में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर 5-5-1978 (मध्याह्न पूर्व) से अग्रिम आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

एस० पी० दासगुप्त,  
निदेशक

### दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1978

॥ सं० ए-19012/7/78-एस० 2—महानिदेशक, दूरदर्शन श्री आर० डी० शर्मा जो पहले आकाशव्यूही जयपुर में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे, को उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र कट्ट के 20 दिसंबर, 1977 (पूर्वाह्न) से रुपए 650-1200 के वेतनमान में आगे आदेश होने तक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सी० एल० आर०  
उपनिदेशक (प्रशासन)

### सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

#### विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 मई 1978

सं० ए०-19012/8/70-एसी० (ए)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री ए० सी० बरकटकी को इस निदेशालय में 22-4-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक बिल्कुल अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० के० मुकर्जी,  
उप निदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1978

सं० ए० 19019/1/78-के० स्वा० योज०—केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से अपना तबादला हो जाने

के फलस्वरूप हकीम (श्रीमती) सर्डी फानिमा, युनानी फिजीशियन ने 12 अप्रैल, 1978 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

हकीम (श्रीमती) फानिमा ने 22 अप्रैल, 1978 से केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, हैट्रिकाबाद में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

प्रन्त ० प्रस० डाकालिया,  
उप निदेशक प्रशासन

दृष्टि श्रीर सिचाई मन्त्रालय

द्रामीण विकास विभाग

विपणन तथा निरीक्षण महानिदेशालय

फरीदाबाद IV, दिनांक 2 जून 1978

म० फाईल एफ० 4-6 (119)/77-प्र० —इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम० दिनांक 23-3-78 द्वारा दिनांक 8-6-78 तक स्वीकृत महायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री रमेश चन्द्र सिंधल को अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 8-9-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० फाईल ए० 19025/10/78-प्र० III —इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 18-2-78 द्वारा दिनांक 16-5-78 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री एस० पी० सक्सेना की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 16-8-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० फाईल ए० 19025/23/78-प्र० III —इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 18-2-78 द्वारा दिनांक 24-6-78 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री एच० एन० शुक्ला की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 24-9-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में पहले जो भी घटित हो, बढ़ाया गया है।

सं० फाईल ए० 19023/51/78-प्र० III —संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री बी० के० सुदामे, सहायक विपणन अधिकारी, को दिनांक 22-4-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक गुन्टूर में रु 650-1200 के वेतन-मान में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग 1), नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर श्री सुदामे ने दिनांक 22-4-78 के पूर्वाह्न में गुन्टूर में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० फाईल ए० 19023/57/78-प्र० III —श्री एम० चक्रवर्ती, सहायक विपणन अधिकारी को फरीदाबाद मे दिनांक 25-5-78 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर 3 (तीन) माह के लिए या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री एम० चक्रवर्ती ने दिनांक 18-5-78 के पूर्वाह्न से अमृतसर मे सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/72/78-प्र० त० —श्रीमती अनसुद्धा मिवराजन वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, बंगलौर मे दिनांक 1-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेद प्रकाश चावला  
प्रशासन निदेशक  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 3 जून 1978

क्रमांक 4-5/77-प्र० —मणीपुर शासन के श्री एम० सी० सिंह जो वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण भूटान, जो कि इस संस्था की एक इकाई है, में सहायक वन संरक्षक के पद पर प्रति-नियुक्ति पर कार्य कर रहे थे, की सेवाएं 31-5-78 (अपराह्न) से मणीपुर शासन को पुनः सौंप दी गई हैं।

सी० एल० भाटिया  
मुख्य समन्वयक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग )

बम्बई, 400085 दिनांक 24 मई 1978

सं० 19 (7)/71/पुष्टि/ 1047 —नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री ई० रामकृष्णन, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थाई आशुलिपिक तथा स्थानापन्न निजी सचिव को दिनांक 1 अगस्त, 1975 से अनंतिम मौलिक रूप से निजी सचिव नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री के० राजन के निजी सचिव के पद के पुनर्ग्रहणाधिकार के निलंबन के कारण हुई है, जो इस समय श्राव ए० ई० ए० विएना के गवर्नरों के बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले गवर्नर के निजी सचिव का पद ग्रहण किए हुए हैं।

कु० एच० बी० विजयकर,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्य और भंडार निदेशालय

बम्बई, दिनांक 1 जून 1978

सं० क्र० भ० नि०/ 23/4177/संस्थापन/144701 —निवेशक, क्य और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री पी० बाल-सुब्रह्मण्यम, सहायक क्य अधिकारी को अवकाश स्वीकृत किये जाने पर, इस निदेशालय के अस्थायी क्य सहायक श्री बी० सी०

वर्कर्को दिनांक 15-5-78 से 17-6-78 तक इसी निदेशालय में सहायक क्या अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन कम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क्र० भ० नि० / 23/4/77/संस्थापन/144696—  
निदेशक, क्या और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री वी० सी० जैन सहायक क्या अधिकारी को अवकाश स्वीकृत किये जाने पर, इस निदेशालय के अस्थायी क्या सहायक श्री जी० वी० वर्तक को दिनांक 1-5-78 से 9-78 तक इसी निदेशालय में सहायक क्या अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतन कम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क्र० भ० नि० / 23/4/77/संस्थापन/ 144706 :—  
निदेशक, क्या और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जे० जी० सिह, सहायक क्या अधिकारी को अवकाश स्वीकृत किये जाने पर, इस निदेशालय के अस्थायी क्या सहायक श्री एम० गोविन्दन को दिनांक 1-5-78 से 3-6-78 तक इसी निदेशालय में, सहायक क्या अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन कम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी  
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास-600006, दिनांक 22 मई 1978

संदर्भ : एम० आर० पी० यू० 200(15)/78-प्रशासन :—  
निदेशक, क्या एवं भंडार, क्या और भंडार निदेशालय, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार, कलपक्कम के एक स्थानापन्न भंडारी श्री वी० श्रीपाद राव को 17 अप्रैल, 1978 से 15 जुलाई, 1978 तक की अवधि के लिए उसी यूनिट में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० रंगचारी  
क्या अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग  
नाभिकीय ईंधन समिक्षा

हैदराबाद-500762, दिनांक 25 मई 1978

सं० पी० ए० आर० / 1603/846 :—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन समिक्षा श्री एम० सत्यनारायण सा, स्थानापन्न फोरमैन को 17 मई, 1978 के पूर्वाह्न से यांत्रिक अभियांत्रिकी सेवाओं, नाभिकीय ईंधन समिक्षा, हैदराबाद में आगामी आदेशों तक के लिए एस० ओ०/ इंजीनियर ग्रेड एस० वी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० आर० / 1603/847—मुख्य कार्यपालक नाभिकीय ईंधन समिक्षा श्री एस० अमरेन्द्र राव, स्थानापन्न फोरमैन को 17 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से यांत्रिक अभियांत्रिकी सेवाओं, नाभिकीय ईंधन समिक्षा, हैदराबाद में आगामी आदेशों 2-126GI/78

तक के लिए एस० ओ०/ इंजीनियर ग्रेड एस० वी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव  
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक 5 जून 1978

सं० राप विप० भर्ती०/10(8)/78-स्थल०/ 125 :—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजिनियर, इस परियोजना के स्थायीवत् पोस्ट ग्रेजुएट टीचर और स्थानापन्न सलेक्शन ग्रेड-पोस्ट ग्रेजुएट टीचर श्री एम० के० शर्मा को, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में स्थानापन्न रूप से उस प्रधानाचार्य ( बाइस प्रिसिपल ) के पद पर, दिनांक 1-6-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त किरते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

( परमाणु खनिज प्रभाग )

हैदराबाद-4500016, दिनांक 27 मई 1978

सं० प० ख० प्र० 1/30/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एतद्वारा श्री एस० सुकुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में एक स्थानापन्न पद पर पूर्वाह्न, 24 मई, 1978 से अगले आदेश तक, वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस० वी०' के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जून 1978

सं० प० ख० प्र० 1/11/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा श्री ए० के० माथुर, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक ग्रेड 'सी०' को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 1 फरवरी, 1978 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस० वी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/11/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा श्री एम० ए० टालीवाल, स्थायी तकनीकी सहायक ग्रेड 'सी०' को परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 1 फरवरी, 1978 से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस० वी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/11/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा श्री एम० ए० टालीवाल, स्थायी तकनीकी सहायक ग्रेड 'सी०' को परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 1 फरवरी, 1978 से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस० वी०' नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

## भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 28 मार्च 1978

सं० 05045/78/पी०-164/1552 :—भारी पानी परियोजना (तृतीयोरित) के श्री जी० पद्मसंताभन, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी को, इस के साथ एक अतिरिक्त प्रबरण श्रेणी लिपिक के मूल पद पर 1 अप्रैल, 1977 से भारी पानी परियोजना (तृतीयोरित) में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 जून 1978

संदर्भ भाषाप/स्था०/ ब० 27/2631 :—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-अधिकारी ने श्री विग्रहर विश्वनाथ भोकरकर अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (प्रेष० बी०) भारी पानी परियोजना (बड़ीदा) का त्यागपत्र 25 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है। अतः श्री भोकरकर को कार्यमुक्त कर दिया गया था।

के० शंकरनारायण  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीधर  
थाना, दिनांक 12 मई 1978

सं० टी० ए० पी० एस० / 1/34(1)/77-आर० (Vol II)—  
मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीधर, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित व्यक्तियों को आगामी पद पर पदवृद्धि के लिए न्यूनता हो जाने के फलस्वरूप, तारापुर परमाणु विजलीधर में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता एस० बी० के पद पर 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी० 40-1200 के वेतनक्रम में, इसी विजलीधर में अस्थायी क्षमता में 1 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम तथा पद
1. श्री पी० बालकुण्ठन,	वैज्ञानिक सहायक 'सी०'
2. श्री डी० एम० पांडेय	वैज्ञानिक सहायक 'सी०'
3. श्री एम० एस० सन्धानम्,	ट्रेड्समन 'जी०'
4. श्री एम० पी० थामस,	ट्रेड्समैन 'जी०'

ए० डी० देसाई,  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

## पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1978

सं० ई० (1) 03934 :—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री पी० एल० तलवार

निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुभुखराम गुप्ता,  
मौसम विज्ञानी (स्थापना),  
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1978

सं० सी० 13015/1/77-ई० डब्ल्यू० :—केन्द्रीय सिविल सेवा (प्रस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उन्नियम (1) के अनुसरण में श्री पी० एम० वर्गिस फायर आपरेटर, को महानिदेशक नागर विमानन, नई दिल्ली के दिनांक 17-10-77 के ज्ञापन सं० 13015/1/77-ई० डब्ल्यू० के अन्तर्गत सेवा समाप्ति का नोटिस दिया गया था। परन्तु श्री वर्गिस से उपरोक्त ज्ञापन प्राप्त करने की रसीद नहीं मिली है।

उपरोक्त नियमावली के अनुसरण में श्री पी० एम० वर्गिस फायर आपरेटर नागर विमानन विभाग, निवास स्थान ए० 390, पूर्वी किंवद्वय नगर, नई दिल्ली को एतद्वारा इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक मास की अवधि समाप्त होने की तारीख से सेवा समाप्ति का नोटिस दिया जाता है।

फतेह चन्द सूद,  
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1978

सं० ए० 12025/1/78-ई० डब्ल्यू० :—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० बी० वैद्य सहायक अग्निशमन अधिकारी दिनांक 31-3-78 (पूर्वाह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 31 मई 1978

सं० ए० 12025/1/77-ई० डब्ल्यू० :—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री ए० बैनर्जी को दिनांक 15-3-78 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कलकत्ता में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक प्रशासन

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 3 जून 1978

सं० ए०-34014/3/78-ई० आई०—वैधशालाओं के महानिदेशक नीचे लिखे व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के सामने

लिखी तारीखों से आगामी आदेश तक स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं.	नाम	सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त होने की तारीख	तैनाती का कार्यालय
1	2	3	4

सर्वश्री			
1. एस० के मुखर्जी	5-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता	
2. अजित सिंह	17-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र नई दिल्ली ।	
3. श्री० अलवार	18-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास ।	
4. जे० जे० मसिलमूनी	10-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास ।	
5. जी० एस० रेताला	19-4-1978	निदेशक, कृषि मौसम विज्ञानी, पुणे ।	
6. एस० एच० जोगलेकर	19-4-1978	वेधशालाओं के उप-निदेशक, (पूर्वानु-मान), पुणे ।	
7. के० के० मंडल	18-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली ।	
8. एन० जी० सिकदर	18-4-1978	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उप-करण), नई दिल्ली।	
9. सदानंद राय	18-4-1978	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कल-कत्ता के अधीन मौसम केन्द्र, भुव-नेश्वर ।	
10. टी० के० राय	29-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र मद्रास, नागपुर ।	
11. श्री पी० एल० क्षाणे	19-4-1978	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक, (पूर्वानु-मान), पुणे ।	
12. एस० के० दास	19-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता ।	
13. एम० बी० विश्वास	19-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई ।	
14. वी० के० गंगाधरन	1-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई ।	

1	2	3	4
15.	कृष्ण आलड़ा	28-4-1978	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, विशाखापत्तनम ।
16.	टी० श्री० प्रधान	18-4-1978	निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पुणे ।
17.	एस० जे० पखारे	19-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई ।
18.	एस० सी० दास	10-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता

गुरुमुखराम गुप्ता,

मौसम विज्ञानी

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरादून, दिनांक 3 जून 1978

सं० 16/273/77-स्थापना-।—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० कुन्दन सिंह भण्डारी को दिनांक 14-2-1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अंतर्गत 'तेलीय राल सम्बन्धी अनुसंधान तथा मार्ग प्रदर्शन केन्द्र' शिलांग में सहृष्ट अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

पी० आर० के० भट्टाचार्य,

कुल सचिव,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालिय

कानपुर, दिनांक 30 मई 1978

सं० 17/78—श्री पी० एन० बनर्जी, निरीक्षक "प्रबरण कोटि" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग द्वा, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदीन्तति के फल स्वरूप —देखिए इस कार्यालय के पृष्ठाकंन प० सं० 11-22 ई० टी०-78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गम कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए० 4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक एम० श्री० आर० एटा के पद का कार्यभार दिनांक 23-1-78" पूर्वाह्न ग्रहण किया ।

के० प्रकाश आनन्द,  
समाहर्ता

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1978

सं० 26/1978-स्थापना—श्री एम० एम० भीरचन्द्रानी, रसायन सहायक प्रेड 1, सीमाशुल्क प्रयोगशाला, कांडला को दिनांक 1-5-1978 (पू०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नवीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक रूप से नियुक्त किया गया ।

दि० रा० गुप्ता, मुख्य रसायनश,  
केन्द्रीय राजस्व, नियुक्ति अधिकारी

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1978

सं० ए०-१९०१२/७०८/७८-प्रासादन पांच—विभागीय पदों-  
श्रेणि समिति (वर्ग ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल  
आयोग श्री जे० पी० विद्वन्स, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष को विशेष  
अधिकारी (प्रलेख) की श्रेणी में पदोन्नति पर केन्द्रीय जल और  
विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-  
८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के वेतनमान  
में स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर १ मई, १९७८ की पूर्वाह्न  
से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री विद्वन्स केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला,  
पुणे में विशेष अधिकारी (प्रलेख) के पद पर १/५/१९७८ से दो  
वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा,  
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय  
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग  
नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1978

सं० ३३/१/७८ ई० सी० ९—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा  
आयोग, द्वारा नामित श्री डी० वी० ए० स० सिन्हा की केन्द्रीय लोक  
निर्माण विभाग में ७००-४०-९००-८० रो०-४०-११००-५०-  
१३०० के वेतन मान में ७०० रुपये प्रतिमास पर सामान्य शर्तों पर  
१२-५-७८ (पूर्वाह्न) से उप वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय  
सिविल सेवा समूह-ए०) नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिन्हा १२-५-१९७८ पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि  
के लिये परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

कृष्ण कान्त,  
प्रशासन उप निदेशक

## केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-२२, दिनांक 30 मई 1978

सं० ६/५/७८-प्र० २/अध्यक्ष—केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण  
एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत्  
इंजीनियरी (श्रेणी 'ब') सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/  
सहायक अभियंता के ग्रेड में, उनके नामों के सामने दी गई तिथियों  
से, अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

- |                        |            |
|------------------------|------------|
| 1. श्री श्रीराम पराटे— | 10-02-1978 |
| 2. श्री सी० ए० कसाना   | 10-02-1978 |
- संतोष विश्वास,  
अवर सचिव

## मध्य रेलवे

प्रधान कार्यालय कार्मिक शाखा

वम्बई वी० टी०, दिनांक 1 जून 1978

सं० एव० पी० वी०/२२०/जी०/II/एल०—निम्नलिखित  
स्थानापन्न सहायक विद्युत् इंजीनियर (श्रेणी II) को उनके नाम

के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया  
जाता है।

नाम

श्रेणी दो की सेवा  
में स्थायीकरण  
की तारीख

श्री ए० के० लाहिरी

1-12-1977

पु० रा० पुसालकर, महा प्रबन्धक

पूर्वाह्न र सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय  
(कार्मिक शाखा)

पांडू, दिनांक 2 जून 1978

1. ई०/२८३/३० भाग VI (O) श्री टी० राम, महाप्रबन्धक  
के सहायक सचिव, (द्वितीय  
श्रेणी) को दिनांक 1-1-78  
से प्रबन्ध वेतनमान में प्रबन्ध  
कार्मिक अधिकारी के पद पर  
स्थानापन्न रूप से कार्य करने  
के लिए नियुक्त किया जाता  
है।

2. सं० ई०/२८३/३० भाग VI (O) श्री एन० के० दत्त, कार्यालय  
अधीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-1-78 से महा-  
प्रबन्धक के सहायक सचिव  
के पद पर पूर्णतयः तदर्थ  
आधार पर द्वितीय श्रेणी  
सेवा में स्थानापन्न रूप से कार्य  
करने के लिए नियुक्त किया  
जाता है।

3. ई०/२८३/८२/भाग-XI (O) श्री एस० ए० आलम, सहायक  
सहायक वाणिज्य अधीक्षक  
(द्वितीय श्रेणी) को दिनांक  
7-1-78 से प्रबन्ध वेतन मान  
में जिला वाणिज्य अधीक्षक  
के पद पर स्थानापन्न रूप  
से कार्य करने के लिए नियुक्त  
किया जाता है।

4. ई०/२८३/८२/भाग-XI (O) श्री एम० एन० दास गुप्ता  
सी० पी० एन० आई०  
(तृतीय श्रेणी) को दिनांक  
13-1-1978 से द्वितीय  
श्रेणी सेवा में सहायक

- वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
5. ₹०/२८३/८२/भाग-VI(O) श्री एम० एन० चतुर्वेदी, सहायक कार्मिक अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक १०-१-७८ से प्रवर वेतनमान में भण्डल कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
6. ₹०/२८३/३१/भाग-IX(O) श्री ए० के० घोष, सहायक अनुसंधान इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक २६ जनवरी, १९७८ से प्रवर वेतन में भण्डल इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
7. ₹०/२८३/३०/भाग-VI(O) —श्री ए० जी० बनर्जी, टी० ग्राह० (तृतीय श्रेणी) को दिनांक ३१-१-७८ से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
8. ₹०/२८३/३०/भाग-VI(O) —श्री एम० एल० जंड, सहायक कार्मिक अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक १-२-७८ से प्रवर वेतन मान में प्रवर कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
9. ₹०/२८३/३१/भाग-IX(O) —श्री एम० सी० बेनुगोपाल, निर्माण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक ८-२-७८ से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
10. ₹०/२८३/३३/१२८ भाग-III(O) —श्री ए० डी० भिंहा, प्रवर फोरमैन (तृतीय श्रेणी) को दिनांक ११-२-७८ से द्वितीय श्रेणी सेवा में पूर्णतयः तदर्थं आधार पर सहायक बिजली इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
11. ₹०/२८३/८२/भाग-XI(O) —श्री सी० आर० राय, सहायक वाणिज्य अधीक्षक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक ३-३-७८ से प्रवर वेतनमान में प्रवर दावा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
12. ₹०/२८३/३२/भाग-XI(O) —श्री वी० कुमार, यार्ड मास्टर (तृतीय श्रेणी) को दिनांक ५-३-७८ से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
13. ₹०/२८३/iii/३४ भाग VIII(O) —श्री एन० एन० मजुमदार, कार्यालय अधीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक ७-३-७८ से द्वितीय श्रेणी सेवा पूर्णतयः तदर्थं आधार पर मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
- ग-II(O) —श्री ए० के० घोष, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक १०-३-७८ से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
15. ₹०/२८३/iii/१२९/भाग-III(O) —श्री एस० आर० दास, शमि, सहायक भंडारनियंतक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक ११-२-७८ से प्रवर वेतनमान में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

16. ई०/283/iii/142/भाग-III—श्रीके० सी० मुरली, निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 23-3-78 से पूर्णतयः तदर्थं अधार पर द्वितीय श्रेणी सेवा में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

मा० रा० न० मू०ति, महा प्रबंधक

#### विधि, स्थाय और कम्पनी कार्य मंदालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रीके० मुरली एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई, 1978

सं० 3778/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि श्रीके० मुरली एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

#### कम्पनी अधिनियम, 1956 और मर्हतांबिकै ट्रौन्सफोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई, 1978

सं० 3835/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री मर्हतांबिकै ट्रौन्सफोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

#### कम्पनी अधिनियम, 1956 और अंशम आरोमाटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई, 1978

सं० 4150/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अंशम आरोमाटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ई० सी० रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई 1978

सं० 4378/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ई० सी० रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

सी० अच्युतन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स गेटवे ट्रूर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 1 जून 1978

सं० 12899/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स गेटवे ट्रूर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अक्वारीअस शीपींग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 1 जून 1978

सं० 17242/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स अक्वारीअस शीपींग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

बी० ए० विजयन मेनोन कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और लक फास्ट केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 30077/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लक फास्ट केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

एस० सि० नाथ, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल।

आयकर आयुक्त, नार्थ ईस्टर्न रीजन का कार्यालय  
शिलांग, दिनांक 13 जून, 1978

## सूचना

आयकर अधिनियम 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 287, उपधारा ( 1 ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार का इस विचार होने के कारण, कि ऐसी कार्यवाही लोकस्वार्थ के लिए उचित है, मैं केन्द्रीय सरकार द्वारा मुझ पर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूँ जिनके बकाया कर की रकम वित्तीय वर्ष 1977-78 का अंतिम दिन 1,00,000 रुपये या इससे अधिक थी :—

क्र० सं०	निर्धारितियों के नाम और पता	बकाया कर की रकम
1	2	3
1.	मैसर्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोरहाट, आसाम	रुपये 2,47,941
2.	श्री दुर्गादत्त शर्मा, कें०/ओ० मैसर्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन जोरहाट, आसाम	8,37,424

1	2	3
3.	शेख मोहम्मद नवाब, जोरहाट, आसाम	1,50,626
4.	इसराइल खान ( मृत ), पांच आली, डिब्रुगढ़, आसाम	2,49,559
5.	मैसर्स मंगलचन्द रामकुमार एण्ड को० डिब्रुगढ़, आसाम	1, 66,457
6.	मैसर्स तोलाराम विजय कुमार ( हिन्दू अधिभक्त कुटुम्ब ) धुबरी, आसाम	1,15,924
7.	सरदार गुरवचन सिंह कें०/ओ० रामकृष्ण एण्ड को०, बी०-26 कैलास कालोनी, नयी दिल्ली-48	1,43,202

एस० एन० सेन,  
आयकर आयुक्त

प्रारूप ग्राही ३० एन० एस०-----  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वा (1) के अधीन मुच्चन।

भारत भरतवार्ष

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जून 1978

ए० एस० आर० /17/ 78-79 यतः मुझे, एस० के०  
गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० खसरा नं० 1026 मिन है तथा जो रत्नन चन्द्र  
रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपरवाह अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर प्रन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के विधित में कमी करने या उससे बचने में  
भूमिका के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें सारलीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम  
या अनु-करण प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सविधा के त्रिएः

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के  
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री लालचन्द पुत्र श्री हरीचन्द, तिलकराज, राजकुमार,  
जनकराज पुत्र श्री नाल चन्द 7-बी-ग्रीन एवेन्यु, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री जगन्नाथ, श्री मनोहर लाल  
विजय कुमार, विनोद कुमार पुत्र ओम प्रकाश निवासी कूचा  
तेवारीयान, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर अमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई  
किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

4. श्री कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्रान्ती:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में  
दिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-  
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

भू-खण्ड नाम 405 वर्ग मीटर जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख  
संख्या 2438 अक्टूबर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-6-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 6 जून 1978

निदेश सं० एएसआर/18/78-79/—यतः मुझे एस० के०  
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जसकी सं० भू-खण्ड कोटि रोड, अमृतसर मे स्थित है (श्रीर  
इसमे उपावद्ध अनुसूची मे गश्वीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीब  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे  
मे, मे उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—126GI/78

1. हरचरन मिह पुत्र श्री तेजा सिंह निवासी पट्टी, जि०  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ पुत्र श्री मुशीराम निवासी प्रताप बाजार  
छेहाटी

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार  
हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किए जा सकें।

सार्वीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे  
दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2264 अक्टूबर  
1977 मे रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर मे लिखा है।

एस० के० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 6 जून 197

मोहर :

प्रस्तुप्राईटी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1978

तिर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/ 1/एम० आर०-III/  
131/सितम्बर 1(14) /77-78—अतः मुझे, जो एस० गिल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-363 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 12 सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० करतार सिंह, सुपुत्र श्री एस० सौदामर सिंह,  
निवासी जैड-1/ए, राजीरी गाँव, नई दिल्ली-27।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एस० सक्सेना, सुपुत्र स्वर्णीय श्री जी० एल०  
सक्सेना, निवासी 254, डा० एनी विस्तृत रोड, प्रभा देवी,  
बम्बई-400025।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्तानाश्री के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिमाणित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लाट नं० 363, ब्लाक नं० 'ई' जिसका खेतफल  
250 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली  
के बाह्यगांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न-  
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० ई०-361

पश्चिम : मकान नं० ई०-365

उत्तर : सर्किस लेन

दक्षिण : रोड।

ज० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6-6-1978

मोदर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1978

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/1/1307/78-79/  
1056—यत् मुझे, एन० एस० चौपड़ा  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् ‘उक्त प्रधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 20/82 है तथा जो शक्ती नगर, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायतिय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 19-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, ‘उक्त प्रधिनियम’ के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविध के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय कर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या ‘उक्त प्रधिनियम’, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के प्रनवरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् : -

1. श्री चरणजीत लाल शर्मा, सुपुत्र श्री भगत राम,  
निवासी एफ-101, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता जैन बनाम् श्रीमती सुरीन्द्र कान्ता जैन  
पत्नी श्री देव राज जैन, निवासी 3/14, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त प्रधि-  
नियम’, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृसूची

एक तीन तरफ से खुला प्लाट जिसका नं० 82, ब्लाक नं०  
20 (20/82) है, और थेन्कल 200 वर्ग गज है, शक्ती  
नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 20/81

पश्चिम : मैन रोड़

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सर्विस लेन।

एन० एस० चौपड़ा,  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-6-1978 -

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून, 1978

निदेश सं० 4422/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 86, राजेन्द्र प्रसाद रोड, टाटाबाड़, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधिपुरम 'डाकुमेण्ट 828/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्दूर प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य प्राप्तियों को जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रथाः—

1. श्री के० नटराजन श्रीर के० वेलुचामी

(अन्तरक)

2. श्री चोक्कलिकम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्वयी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, टाटाबाड़, राजेन्द्र प्रसाद रोड, डोर सं० 86, टी० पी० स्हीम सं० 5, टी० एस० सं० 747 में 17 सेन्ट  
और 435 स्क्युयर फीट (भूमि और मकान।।)

के० पोषन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II-, मद्रास

तारीख : 5-6-78

मोहर :

प्रस्तुत ग्राहकों टी० एम० एस०—

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1978

निर्देश सं० 5899/सप्टेम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-वा के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ए० से अधिक है और जिसकी सं० 21 ए०, मेडिल रोड,  
मद्रास-17 'भूमि' और ग्राउण्ड फ्लौर में स्थित है (और  
इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कायलिय, जे० एस० आर०-, मद्रास नार्थ  
(डाकुमेण्ट 2488/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धत में आस्तविक रूप से  
कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की घारा 269-वा के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-वा की उपधारा (1) के  
अधीन निम्ननिवित अधिकारी, ग्रहणतः—

1. श्री टी० डी० रामसुखमनियम और श्रीमती एस०  
जसुना।

(अन्तरक)

2. (1) श्री डी० कम्लतीन

(2) श्री के० ए० एस० मोहम्मद इब्राहीम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत कायलियाद्वारा करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मद्रास 17, टी० नगर, मेडिल रोड, डोर सं० 21 ए० मै  
भूमि और ग्राउण्ड फ्लौर (डाकुमेण्ट 2488/77)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः 5-6-78

मोहरः

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०————

1. डाकुमेण्ट 1466/77।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री नटराजन।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1978

निर्देश सं० 8011/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोषन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डाकुमेण्ट 1466/77 है तथा जो ······  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०  
आर० पाठिघेरी, (डाकुमेण्ट 1466/77) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
सितम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँगे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
यथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
मरा था या किया जाना चाहिए था, डिपार्टमेंट में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
तार्यावाहियां करता हूँ।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान (डाकुमेण्ट 1466/77)।

के० पोलन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-6-78

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० आरपीफन/34/77-78/ —अतः मुझे, नन्हूं राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 बिघा और 19 बिसवा है तथा जो गांव : ऊँदूँद तासील : रूप नगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रूप नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रिक (मन्त्रिकर्ता) और मन्त्रिती (मन्त्रितीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के मन्त्रिक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अकितयों, अवृत्—

1. श्री जिवा सिंह गुरु गोहाला वासी गांव ऊँदूँद तहसील रूपनगर।

(अन्तरक)

2. श्री भाग सिंह पुत्र श्री जिवा सिंह वासी गांव ऊँदूँद तहसील रूपनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्परवंशी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकृत्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 बिघा 19 बिसवा है तथा जो गांव ऊँदूँद तहसील रूपनगर में स्थित है।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रूपनगर के कार्यालय में विलेख नं० 2034, अक्टूबर, 1977 में दर्ज है।

नन्हूं राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर :

प्रेस्प्रिंट आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/31/77-78/ —अतः मुझे, नस्तु  
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 14'×86'  
है तथा जो लोहा बाजार मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है (ओर  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक  
के दायित्व में करी करने या उससे वस्त्रों में  
मुक्तिशा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्त्र या मूल्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 प के  
अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 प की  
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री सुख देव राय निवासी  
कोठी नं० 63, सैकटर 19-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री सूरज मल पुत्र श्री जौहरी लाल निवासी लोहा  
बाजार मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखत में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20 के  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 14' 86' है जो  
लोहा बाजार मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के  
कार्यालय के विलेख नं० 1409 फरवरी 1978 में दर्ज है)।

नस्तु राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:

प्रकल्प भाई० टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/30/77-78/ —यतः मुझे, नल्थू  
राम

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान जिसका क्षेत्रफल 14' 86' है तथा जो कि लोहा बाजार, मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1978

म पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नियन्त्रिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवरत में वास्तविक रूप से कठित नहीं निया गया है:—

(१) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए;

और/गा

(२) ऐसी किसी आय पा किसी छन पा अन्य स्थिति को जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922 (1922 नं 11) पा उक्त प्रधिनियम, पा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया गया वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) से अधीन नियन्त्रित व्यक्तियों प्रबंध ।—

4-126GI/78

1. श्रीमती सत्तोष रानी पत्नी श्री सुखदेव राय निवासी कोठी नं० 63 सेक्टर 19-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री मन नारायण पुत्र औ जोहरी लाल निवासी लोहा बाजार मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वष्टीकरण :** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 14'×86' है जो कि लोहा बाजार मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख नं० 1408 फरवरी 1978 में दर्ज है)।

नल्थू राम  
संशम प्राधिकारी,  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

**269 व (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएस/17/77-78—अतः मुझे, नन्यू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रु० से अधिक है और जिसकी भूमि 1/3 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 2 बिहा 7 बिसवा है तथा जो गुरुकी-नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्नण निवित में वास्तविक रूप से कृति बही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावन उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बवन में सुचिष्ठा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य प्राचिनियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुचिष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुचरण में, उक्त अधिनियम को धारा 269-वा की उपचारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जात् ।—

1. श्री मान सिंह पुत्र श्री पोहलू सिंह वासी मंडी गोविन्दगढ़ (अन्तरक)

2. मैसर्ज भारत आर्स व सटील रोलिंग मिलज वासी मंडी गोविन्दगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**इष्टव्यक्तिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

अनुसूची

1/3 हिस्सा भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिहा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह के विलेख नं० 1133 दिसम्बर, 1977 में दर्ज है।

नन्यू राम  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर :

प्रस्तुप वाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/20/77-78—ग्रतः, मुझे, नत्यू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिधा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविकारों अर्थात्:—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री पोहलू सिंह वासी मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसेजे भारत आरिन तथा स्टील मिलज मंडी गोविन्द गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के सिये कार्यबाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन के प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**इष्टाकारण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में या परिभावित हैं, वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिधा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है।

(जायदाय जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अमलोह के कार्यालय के विलोक्त नं० 1168, दिसम्बर, 1977 में रखा है।)

नत्यू राम  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० एएमएल०/21/77-78/ —यतः मुझे नत्यू  
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बिसवा है तथा जो  
गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है  
(और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिसम्बर 1977

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा प्राप्त गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्राधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्त में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
षष्ठकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा (1)  
के अस्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स गुरु अर्जन आयरन तथा स्टील रोलिंग मैडी  
गोविन्द गढ़

(अन्तरक)

2. मैसर्स भारत आयरन तथा स्टील रोलिंग मिल, मंडी  
गोविन्द गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
मध्यनियम के अध्याय 20-व में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी  
भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के  
विलेख नं० 1169 दिसम्बर, 1977 में दर्ज है।)

नत्यू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइवेट टी.एन.एस.—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं. एएमएल/16/77-78/—उक्त मुझे, नत्यू  
राम;

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-  
ह० में प्रधिक है

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा का 1/3 हिस्सा है तथा जो  
गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है (और इससे  
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
प्राधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल  
के लिए उक्त सम्पत्ति की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पेंड्रह प्रतिशत से  
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल, भिन्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षमित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,  
के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने  
शा तत्संबंधी बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धननकर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

उत्त: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

1. श्री राम सिंह पुत्र श्री पोहलू सिंह वासी मंडी गोविन्द  
गढ़।

(अन्तरक)

2. मेसर्स भागत आयरन तथा स्टील रोलिंग मिलज  
वासी मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाई करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के  
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के नम्रत्व में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रदूषिता तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख में 30 दिन की प्रदूषित, जो भी  
प्रदूषित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

प्रबोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही प्रयोग होता है तो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रसंगी

भूमि 1/3 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है  
तथा जो गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित  
है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमलोह के  
कार्यालय के विलेख नं. 1111 तारीख दिसम्बर, 1977 में  
दर्ज है।

नत्यू राम  
सम्बन्धी  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 जून 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी एम् एस—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना  
लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निदेश सं० एलडीएच/203/77-78/—अतः मुझे,  
नथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 634-2/3  
वर्ग गज और और म्यूनिसिपल नं० बी-189/3 है तथा जो  
मेजर गुरदियाल सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त सम्पत्ति के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या अन्तरण के अधिनियम, 1957 (1957 का 17)  
के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविवरों, प्रभासि:—

1. श्री सुरेश पाल मितल पुत्र श्री बाल किशन इस  
वासी B-XIX/189/3 मेजर गुरदियाल सिंह रोड, लुधियाना।

2. श्री पूरन चंद पुत्र श्री खजानची लाल B-VIII/353  
मोकपुरा लुधियाना अब B-XIX/189/3 मेजर गुरदियाल सिंह  
रोड, सिविल लाइनज, लुधियाना।

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रब्रह्मिया या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रब्रह्मिया, जो भी प्रब्रह्मियाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तानी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-का में  
परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान जिसका क्षेत्रफल 634-2/3 वर्ग गज है और  
जिसका म्यूनिसिपल नं० B- 189/3 है तथा जो मेजर<sup>गुरदियाल</sup> सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख पन्ना 2072 अक्टूबर 1977 में दर्ज  
है।)

नथू राम  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निवेश सं० एलडीएच/213/77-78/—अतः मुझे,  
नत्थु राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-इ० से अधिक है,

और जिसकी सं० कोठी नं० 110-आर जिसका क्षेत्रफल 405.  
87 वर्ग गज है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित  
है (और डसे उपार्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है और जो  
लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापन उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी व्यवहार या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, ए-  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

1. श्रीमती प्रेम कौर विधवा सरदार प्रताप सिंह निवासी  
कोठी नं० 355-आर माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनोष वती पत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता  
निवासी कोठी नं० 110-आर माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके इवान संपत्ति के प्रजेन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजेन के बंधन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस प्रत्यक्ष के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यापारि-  
भावित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 110-आर० जिसका क्षेत्रफल 405.87 वर्ग  
गज है जो कि माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख नं० 2278 अक्टूबर 1977 में वर्ज है)।

नत्थु राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
प्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस०—

ग्रामरुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पहाड़क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एलडीएच/333/77-78/—अतः मुझे, नथ्य

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अंतर्गत नाशिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि न्यायिक समाज, तिता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 15-15 ए. प्लाट जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिफल की गई है और मुझे यह विश्वास करने हा जारी है कि न्यायिक सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्ण, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रभास्ति (प्रभास्तियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप पे नথित नहीं किया गया है :—

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी डाय या किसी धन व धन्य आस्तियों को इन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ५वींजनाथ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-व के शनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा 1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षण :—

1. सर्वेश्वरी कुन्दन सिंह पुत्र श्री बुकन सिंह, बहादुर सिंह पुत्र श्री कुन्दन सिंह निवासी सकरं तहसील नकोदर।

(अन्तरक)

2 श्री गुरनाम सिंह पश्च पुत्र श्री बहादुर सिंह निवासी 38-ई० मराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अमृसूची**

प्लाट नं० 15-15ए जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है जो कि मराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाय जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के निलेख नं० 2100 अक्टूबर 1977 में दर्ज है)।

नन्दू राम  
मक्षम प्राधिकारी  
पहाड़क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 2 जून 1978  
मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 5 जून 1978

निवेदा सं० पीटीए/57/77-78—अतः मुझे, नन्दू राम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन जिसका क्षेत्रफल 4058 बर्ग गज है  
है तथा जो तरपरी (पटियाला) में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; प्रौरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269वा  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित बोक्तियों अर्थात् :—

3—126GI/78

1. श्री बलबीर सिंह पुत्र हरी सिंह Attorney of सरदार  
हरभजन सिंह पुत्र वरयाम सिंह, तरपरी।

(अन्तरक)

2. (1) श्री लाल इन्द्र सिंह )  
(2) श्री बलिन्द्र सिंह ) : (पुत्रान् मुरिवन्द्र सिंह )  
(3) श्री हरजिन्द्र सिंह )

निवासी माडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रत्यक्षीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 4058 बर्ग गज जो कि गांव तरीपरी  
तहसील और जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के  
विलेख नं० 3553 अक्टूबर, 1977 में दर्ज है।)

नन्दू राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 5 जून 1978 ।

मोहर:

प्रकल्प प्राइंटी० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना  
लुधियाना, दिनांक 5 जून 1978

निर्देश सं० एलडीएच/204/77-78—ग्रत: मुझे, नथू  
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान जिसका क्षेत्रफल 48 वर्ग गज है तथा जो शाप नं० बी/7/1150 सामने घंटा घर, जी० टी० रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 को

पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त।—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र मरंजन सिंह निवासी गली नं० 6बी/16/304, कुचा नानक पुरी भुहल्ला मिलर गंज, लुधियाना (अन्तरक)

2. (1) श्री तेजा सिंह पुत्र भगत सिंह  
(2) श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री तेजा सिंह  
मैसर्ज बम्बे वाच कम्पनी सामने घंटा घर, जी० टी० रोड, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वाली अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान क्षेत्रफल 48 वर्ग गज जिसका नं० बी/7/1150 जो कि सामने घंटा घर, जी० टी० रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख नं० 2083 अक्टूबर 1977 में दर्ज है।)

नथूराम,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : ५ जून 1978

प्रकल्प प्राइंटो एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/भोपाल 78-79/1014—  
अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के व्यापित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी दून या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. (1) श्री सागर मल चम्पालाल जी (2) श्री निर्मल कुमार सागरमल जी। (3) श्री महेन्द्र कुमार सागरमल जी निवासी मं० नं० 7 गेस हाऊस रोड, इन्दौर।  
(प्रन्तरक)

2. आनन्दी लाल मागीलाल द्वारा मेसर्स आनन्द अम्बेला स्टोर्स दुकान नं० 92, नगर निगम रोड, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4 गेस हाऊस रोड, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 3-6-1978

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी दी. पत्र. एस. —  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेम रेंज, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1015  
—प्रतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की घारा 269वा  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्होंने में स्थित है (और  
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से सेवणित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्होंने में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवात में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से दूरी किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

यह: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269वा के बनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की घारा 269वा की उपघारा (1) के  
दायित्व निम्नलिखित अस्तियों, अवृत्त :—

1. श्रीमती काल्ताबाई पत्नी श्री चांदमल निवासी ई-21,  
गोरखपुर रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री सलामत 63, साकेत,  
इन्होंने ।

(2) श्री सुन्दर पुत्र श्री गोविन्द राम, निवासी 63,  
साकेत इन्होंने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिमां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यवन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**विवरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति  
हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अन्याय में हिता  
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 63, साकेत नगर, इन्होंने ।

टी० के० श्रीनिवासन  
सभी प्राधिकारी  
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एम०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल 78-79/1016

—असतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमात्र प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रन्थिशस अधिक है  
और प्रत्यक्ष अन्तरकों (और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,  
के प्रधीन फर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घननकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना  
चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 259-व के अनुसरण में,  
मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भीम जी भाई वधेला पुत्र श्री पोपट लाल वधेला  
निवासी 12, नामली कोठी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री तैयब श्रीली,
- (2) श्री शब्दीर भाई,
- (3) खुजेमा भाई,
- (4) श्री जोहर भाई सभी पुत्र श्री हाजी फकहूदीन  
निवासी मकान नं० 15, बोहरा बाखल, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के संबंध में कोई भी आक्षेपः

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 40  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर दृष्टान्त की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के अंत उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2, स्ट्रील नं० 1, काठी मोल्ला, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1017

—अतः, मुझे, टी० ए० के० श्रीनिवासन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 15-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रातुरक (भ्रातुरकों) और भ्रातुरिती (भ्रातुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरमें, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थत :—

1. श्री भंवर लाल पुत्र श्री बसवेव जी दागदी निवासी 50, राधानगर, इन्दौर।  
(भ्रातुरक)

2. श्रीमती किरण गिनवानी पत्नी श्री रघुम सुन्दर गिनवानी निवासी 20-बी, प्रेमनगर कालोनी, इन्दौर।  
(भ्रातुरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20-बी, प्रेम नगर, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/78-79/1018

—अतः सुझे टी० के० श्रीनिवासन

प्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण कि स्थानवर संपत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० खुला प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 20-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में संविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय प्रायकर प्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-फर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। किया जाना चाहिए या जिपान में संविधा लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहणतः—

1. श्री सईद एहमद पुत्र श्री हकीम एहमद रहमान, निवासी 78, रानीपुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रसाद हरबक्षण शर्मा, निवासी 6/7, छोटी गवाल टोली, इन्दौर।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रब्रह्म बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 39, जावरा कम्पाउन्ड, मैन रोड, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल 78-79/1019

—अतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर मे स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-  
कर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-10-1977  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल  
का फलह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व मे करी  
करने वा उससे बचने मे मुक्तिशा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया  
गया था; या किया जाना चाहिए वा, उछाले मे  
गुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
मत्रण मे, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपाधा  
(1) के अधीन निम्नलिखि व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिव शक्ति गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित  
75, खजूरी बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र सिंह प्रताप सिंह मोदी निवासी 6/7, महेश  
नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना छारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
आद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं,  
वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5, 25 यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्रजेन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/4020—

यतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० खुला प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष  
(प्रत्यक्षरक) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षरितयों) के दोनों एवं  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक रूप से कीयत  
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बावजूद उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
वायिक्ष में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन पा ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, शिवाने  
में सुविधा ही निए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् ।--

6-126-GI/78

1. श्री बलतावर सिंह उत्तम सिंह जी निवासी मकान  
नं० 302, विष्णुपुरी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरुबाबा कृपालदास उदासी चैला गुरुबाबा संत-  
दास जी निवासी 144, बेराठी कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में कियं जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस पर्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 20-ए, प्रेम नगर कालोनी, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ब्रजेन रेज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर :

## प्राप्ति प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1021  
—यतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, देसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से  
अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और (प्रत्यक्षितों)  
(प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में  
कमी करने पर उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य घास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, ठिगने में मुविधा के लिए।

यतः प्रष्ठ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मल्हार राव ।
- (2) श्रीमती मृतालिनी राजे पत्नी श्री मन्त मल्हार  
राव होलकर।
- (3) श्री जगदीपेन्द्र सिंह ।
- (4) श्रीमंत अंशुमन राव ।
- (5) श्रीमंत गौतमराव, सभी निवासी राम निवास कोठी,  
पीपलयापाला, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री धनराज पुल श्री छगन लाल जैन, निवासी  
36/2, राजबाड़ा, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 का सामने का भाग, राजबाड़ा इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्राप्ति प्राई० टी० एन० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269वाँ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1022—  
यतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269वाँ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ₹  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तावण सिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राव की वाक्त उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी छन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) मा उक्त प्रधिनियम या बनकर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269वाँ के प्रत्युत्तरण  
में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269वाँ की उपारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविस्तयों, अवार्ति—

1. (1) श्री मल्हार राव।
- (2) श्रीमती मृतालिनी राजे पत्नी श्रीमत मस्तुर  
राव होल्कर।
- (3) श्री जगवीपेन्द्र सिंह।
- (4) श्रीमत ग्रंथमनराव।
- (5) श्रीमत गौतमराव सभी निवासी रामनिवास कोठी  
पीपलयापाला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमृतबाई पत्नी श्री जीवराज निवासी  
मुछाल भवन, 467, ए० एम० टी० कलाथ मार्केट, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रासेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्थोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 34 के पूर्वी भाग का हिस्सा, राजधानी,  
चौक, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर:

## प्रकल्प आई० ई० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/  
1023—यतः मुझे टी० के० श्रीनिवासनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है प्रकट युक्त यह विश्वास करने  
का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें ग्रामीण आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रतुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अवोन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री मल्हार राव।
- (2) श्रीमती मृत्तिमोहनी राजे पत्नी श्रीमत मल्हार राव  
होल्कर।
- (3) श्री जगदीपेन्द्र सिंह।
- (4) श्रीमत अंशुमन राव।
- (5) श्रीमत गौतम राव सभी निवासी रामनिवास  
कोठी, पीपलयापाला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री जीवराज पुत्र श्री टीकरसी निवासी 176, एम०  
टी० क्लाथ मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के  
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र—

(क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45  
दिन की आवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता  
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 के पूर्वी भाग का हिस्सा, राजबाड़ा चौक,  
इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रकाश मार्फ़ाटी० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1968

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/78-79/  
1024—यह सुन्ने, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सम्बन्धित कारण को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और हस्से उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधिनि, 25-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का  
कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पक्ष्मूल्य प्रतिशत  
अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती  
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्यादितियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धननकर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
ग्रन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, लिपाने व गुवाहा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के ग्रन्तरण में,  
मैं उक्त परिवर्तन की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. (1) श्री मल्हार राव।
- (2) श्रीमती मृनालिनी राजे पत्नी श्रीमत मल्हार  
राव होल्कर।
- (3) श्री जगदीपेन्द्र सिंह।
- (4) श्रीमत अनशुमन राव।
- (5) श्रीमत गौतम राव सभी निवासी राम निवास कोठी  
पीपलयापाला, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार बसन्ती लाल जी बंडिया-24,  
राजवाड़ा चौक, इन्दौर।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो; तो भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी ग्रन्त व्यक्ति द्वारा, घोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

**ल्पण्डीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 24 के पूर्वी भाग का हिस्सा, राजवाड़ा  
चौक, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सम्बन्धित  
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर व्यवस्था, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरोक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-89/

1025—प्रतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,  
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है  
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीर्टा कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, 31-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उभत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधि-  
निपम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
और/या

(ब) ऐसी किसी भाष्य या किसी प्रति या प्रत्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए

**प्रश्न:** प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रभावों निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

1. श्री बाबूसाल जैन पुस्तक श्री दौलतराम जैन निवास  
लोहा बाजार, भोपाल।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती रामकली देवी पत्नी श्री छगनसाल।

( 2 ) श्री छगन लाल पुत्र श्री  
चन्दपूरा तहसील व जिला रामसेन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हैं।

उक्त सम्पर्क के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबढ़ किसी भ्रष्ट अवित्त द्वारा भ्रष्टोऽस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

四

तीन संजिला मुकान वार्ड नं० 15 संगलवारा, भोपाल।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर ग्राम्यकात् (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज. भोपाल

तारीख : 3-6-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/78-79/  
1026—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल, में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
19-11-1977

को पूर्वोंपत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोंपत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रतिशत नियन्त्रण में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाधन, उक्त प्रधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसो किसी आप या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया  
जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त प्रधिनियम को धारा 269व के  
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की  
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तीयों, अर्थात्:—

1. श्रीमती नूरबी पत्नी श्री जलोल खां पठान निवासी  
इस्लाम पुरा, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल लतीफ खां पुत्र श्री अब्दुल हमीद खां  
निवासी यूनानी शाफाखाना, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंपत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंपत व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान वार्ड नं० 29, जिसी रोड, जहांगीरा  
बाद, भोपाल।

टी० के० श्रीनिवासन  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रख्य प्राईंटी० एन० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० प्राईंटी० ए० सं०० एक्टी/भोपाल/78-79/  
1027—ग्राम: मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,

प्रा.क० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०  
में अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि बिल्डिंग व मशीन है, तथा जो  
जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जगदलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, 28-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (प्रस्तारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकल, मिम्नलिखित उद्देश्य  
से उचित अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उचित अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय मायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उचित अधिनियम, या अन्तर-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब: अब, उचित अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
प्रधीन अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ता:—

1. मैसर्स तनबानी ड्रेडिंग कम्पनी जगदलपुर पार्टनर्स  
द्वारा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सिधेश्वर राइस एण्ड आयल मिल, अग्रनपुर  
आठ पार्टनर्स के द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उचित स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

लव्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उचित  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 16 की कुल रकमा 4.80 एकड़ भूमि में से  
3.80 एकड़ रकमा भूमि स्थित ग्राम अधनपुर, जिला बस्तर  
मध्य तमाम भवनों, मशीनरी, प्लान्टों, आवाल मिल, आयल मिल,  
प्लान्ट, तेल धानियों और एक्सपेलरों सहित पूरी और मध्य  
इलेक्ट्रिक मोटरों, एक स्टीम बायलर और सभी या प्रत्येक  
अचल सम्पत्ति जो उचित भूमि पर स्थित है।

टी० के० श्रीनिवासन  
समाम प्राधिकारी,  
सहायक मायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०

प्रायकर भ्रष्टनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रशासक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० माई० टी० एन० सी० एस्टी/भोपाल/78-79/  
1028—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,

प्रायकर भ्रष्टनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय इन्दौर में, गजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थायपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्के प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से  
कर्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
मन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसर  
में मेरे, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित गवाहियों, अधिकृत् ।—  
7-126GI/78

- 1 (1) श्री मल्हार राव होलकर।
- (2) अमरी मूलिनी राजे पत्नी श्रीमल्हार राव  
होलकर।
- (3) श्री जगदीपन्द्र मिह।
- (4) श्री अंशुमत राव।
- (5) श्री गौतम राव व
- (6) कुमारी संगीता राजे पुत्री श्री मल्हार राव होलकर  
निवासी राम निवास कोठी, पीपलमापाला इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री मनसुख लाल एवं सोजा तिया एच० य०० एफ० द्वारा  
कर्ता श्री ओम प्रकाश सोजातिया निवासी 27, राजबाड़ा, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायेवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाशेपः— /

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
मापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पर्याय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भकान नं० 34 का पश्चिमी भाग, राजबाड़ा इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
'सक्षम प्राधिकारी  
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/  
1029—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से  
प्रधिक है

जिसकी सं० मफान है, तथा जो इन्दौर में स्थित (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती  
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे अक्षरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तावक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या धन्य आस्तियों को  
जिन्हे भारतीय धार्य-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवतिः—

1. (1) श्रीमती नर्बदा बाई विधवा पति श्री कन्हैया  
लाल ओझा।  
(2) श्री महेन्द्र कुमार।  
(3) श्री तरण कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल  
ओझा निवासी 10/2, नम्बोली बाखल, इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र पुत्र श्री सीताराम जैन निवासी 108,  
जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तात्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधिक्षित द्वारा, अधिक्षित  
में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2 का पूर्वी भाग तम्बोली बाखल मेन रोड,  
इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारी : 3 जून 1978

मोहर :

प्रमुख प्राई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षात्कार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1030—  
अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० .मकान है, तथा जो इन्होंने में स्थित है  
(और इससे उपाखद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्होंने में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मग्ने यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तीयों, अर्थात् :—

1. श्री दामोदर पुन्न श्री औंकार लाल और श्री सत्यनारायण पुन्न श्री औंकार लाल निवासी खुरमपुरा, तराजपुर जिला पश्चिम निमाड़ खरगोन (म० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री मांगीलाल पुन्न श्री कैशरी मल कोठारी निवासी कस्ब, संविर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 59 शहीद भगत सिंह मार्ग, इन्होंने।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रस्तुत वाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर शायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश स० आई० ए० स०० प्रवीन/भोपाल/78-79/1021—  
अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने युई किसी ग्राम का बाबन, उक्त अधिनियम ने अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य अस्तित्यों को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम 64 धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविन्योग, अधोतः—

1. श्री मोहम्मद युसुफ पुत्र श्री अबुल खलील निवासी सिलावटपुरा म० नं० 128, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री शिवकुमार अन्तर्वेदी पुत्र श्री चुनीलाल अन्तर्वेदी निवासी 60, बीर सांवरकर मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यादियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिपालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 16, नारं हरसिंही, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सभम प्राधिकारी,  
ग्रामकर शायक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन०एस०—————

ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० एफ्सी/भोपाल/78-79/1032  
—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,  
ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण ग्रंथिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-10-1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे  
दृष्टमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाजार उक्त  
ग्रंथिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ ग्रासियों  
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त ग्रंथिनियम या  
धनकर ग्रंथिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त ग्रंथिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, असांत:

(1) श्री सतीश चन्द्र पुत्र श्री सोहन लाल जी साधी,  
निवासी 25, पलासिया मेन रोड, दूनदौर।

(2) श्रीमती आनन्दी बाई बेवा पत्नी श्री ठाकुर  
आत्मा राम सिंह वायस एक्सीक्यूटर निवासी 7/2, पलासिया,  
दूनदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कचन बाई पत्नी श्री अनंतलाल जी महेश्वरी  
निवासी 146, दशहरा मेदान, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाग नरू पूर्वोक्त प्रतिक्रिया के अन्तर्क  
के लिए कार्यवाहिया गुरु करना है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्क के गवध में कोई भी ग्रामपेतः—

(क) इस सूचना के गवध में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में रामात होती है, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में हिस्सी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हिस्सद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
कर्ता के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिकारी, नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6/267 (भाग) स्थित शंकू मार्ग, फीगंज,  
उज्जैन।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-6-78

मोहर:

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश स० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1033—  
अतः मुझे, टी० को श्री निवासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं. कृषिभूमि है, तथा जो प्राम डिघी तह० बुरहानपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अनुरूप, 4-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और मन्त्रक (मन्त्रकों) और मन्त्रिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम ने अधीन कर देने के मन्त्रक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ  
या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

1. (1) श्री दसु।

(2) श्री मुख्लीधर दोनों पुत्र श्री जीवराम पाटिल  
निवासी बाधोदा बुजुर्ग तह० रावेर।

(अन्तरक)

2. श्री वामन पुत्र श्री यशवंत विच्वामी संतोष पुत्र श्री  
यशवंत विच्वामी निवासी कोवर बुजुर्ग तह० रावेर।

(अन्तरिती)

को यह मूलगा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एषटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 16.97 एकड़ खसरानं० 40 (नया) खसरा  
नं० 35(पुराना) प्राम डिघी तह० बुरहानपुर जिला ईस्ट  
निमाण।

दी० के० श्रीनिवासन  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीखः 3-6-1978

मोहरः

परुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्रापक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/  
1034—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269श  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से प्रतिक्षित है।

ओं जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ओं  
इससे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269श के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की भारा 269श की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्याप्तियों अन्तर्गत:—

1. श्रीमती कैशर बाई रामसिंह जी धूरा निवासी 29,  
सुभाष मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसी बाई शान्ती लाल मर्टफ राजगढ़ तहसील  
सरदारपुर जिलाधार

(अन्तर्गती)

को यह नूतन आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तक्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,  
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 29, सुभाष मार्ग, इन्दौर (भाग आउन्ड फ्लौर  
व फ्लॉट फ्लौर साथ भूमि बिल्डिंग में)

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्रम प्राधिकारी  
आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/  
1035—प्रतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
.०० से अधिक है।

जिसकी सं० मकान है नथा इन्डोर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्डोर में, रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-10-1977  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त प्रधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा की उपकारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अवैत :—

1. श्रीमती केशरबाई रामसिंह जी धूरा निवासी म० न०  
29, सुभाष मार्ग, इन्डौर। (प्रत्तरक)

2. श्रीमती सुभद्रा बाई मनोहर लाल जी जैन, निवासी  
राजगढ़ तह० सरदारपुर जिला धारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्वूनिसिपल मकान नं० 29, सुभाष मार्ग, इन्डौर (भाग सकन्ड  
फ्लौर व थर्ड फ्लौर साथ टेरेस व टेरेस पर कमरा लेकिन भूमि  
नहीं)।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1036  
—अतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 25-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरर्कों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
नियित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्द आमियों  
को, जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अन-  
भरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—126GT/78

1. श्री विठ्ठल वामन कोले सेठ एपार्टमेन्ट कैलाश पार्क  
कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री बाई पत्नी श्री हीरा लाल सा, ओझर  
टाउनशिप, तह० व जिला नासिक, महाराष्ट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
मूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**संशोधन:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही स्वर्ण होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 112, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-89/  
1037—अतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फद्दह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में  
वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

भलः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण  
में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपचार (1) के  
अधीन विमलसिंहित व्यक्तियों असति:—

1. श्री सुरेन्द्र सिंह राजेन्द्र सिंह, नामली निवास: 1/1  
साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री राम नारायण जी  
गुप्ता, निवासी 54, मल्हारगंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिचालित  
हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में  
दिया गया है।

मनुस्मृती

मकान नं० 1/1 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978  
भोपाल।

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/78-79/1038

—प्रतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कमी करने या उससे अवैन में सुविधा के लिए;  
मोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य मास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

1. महा लक्ष्मी गुह निर्माण सहकारी समिति इन्दौर द्वारा  
प्रेसिडेन्ट श्री सीरमल चौराडिया पुत्र श्री केशारामल चौराडिया  
48, महावीर नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2 श्री गंदव चन्द्र पुत्र श्री मिश्री नाल जैन, निवासी  
निहालपुरा, इन्दौर। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्म्वन्धो अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में मे किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रन्य अविक्षित द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही पृष्ठे होगा, जो उस प्रध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 44, महावीर नगर, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
[सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल/78-79/1039-

—अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भाव गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० रु० अधिक है।

जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ओर इससे उत्तर अनुसुंदरी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हायालिय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 15-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे मात्रीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, तिन्होंने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विनकर माधव कुतुम्बले, निवासी 12, खातीपुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) रामरतन दातार मिह, (2) श्रीभगवान सिंह श्रीकिशन, (3) श्री श्योध्या बाई बेवा पत्नी श्री किशन निवासी 10/3, सनेहलतागंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा नहेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 10, गली नं० 3, सनेहलतागंज, इन्दौर सम्मिलित क्षेत्रफल 80'×28'.2" (पूर्वीभाग)।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन भेद, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1040  
—ग्रतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि द्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
श्रीर जिसकी मं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, गेसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तुप्रिय रूप में लिया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के निए,

अ. अग्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपशारा (1)  
के प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बाल कुल्ला पुत्र श्री कौशवराच जी दिघे, निवासी  
इन्द्रपुरी कलोनी, इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्र बाई देवा पत्नी श्री उमाजीगाव माहरका,  
निवासी उज्जैन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6:135 (भाग) नया नं० 13, स्थित शहीद  
पार्क, उज्जैन।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978  
मोहर:

प्रस्तुप प्राईंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन मन्त्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० प्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1041—  
—ग्रातः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है तथा जो बड़वानी में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्ह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कालराम पुत्र श्रीहीरा लाल, (2) श्रीमती पान्दवी ब्राई रत्नी श्री कालराम, निवासी बड़वानी।  
(अन्तरक)

2. श्री दीपक भाई रमेश पुत्र श्री धीसाराम भाटिया निवासी रंजीत चौक, बड़वानी।  
(अन्तरिती)

तो ये पूछना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित रंजीत चौक, बस्ती बड़वानी।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निवेश स० आई० ए० सी०/एफबी/भोपाल/77-78/1042  
—अतः भुग्ते, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह सरने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी स० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विवाह सरने का कारण है कि  
यदा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/था

(घ) ऐसी किसी प्राप्त वा किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री आदिल एस० मरकातिया 9/7, पारसी मोहल्ला,  
इन्दौर ।

(अन्तरक)

2 श्री लक्ष्मण दास लालनन्द जगराम पुर कालोनी,  
इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वान्तर सम्भति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां नहाना है ।

उक्त सम्भति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेशः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान न० 81, एम० टी० क्लाउ घार्केट, इन्दौर ।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 3-6-1978  
मोहरः

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निवेद सं० प्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1043  
—प्रतः, मुझे, टी० के श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सम्बन्ध प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपार्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया  
सूत्रिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में  
रासायनिक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में करा करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को जिस्ते, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रन-हर  
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किसी जाता चाहिए था, छिपान में मुविद्धा के लिये;

परं: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति :—

1. (1) श्रीमती अध्योष्या बाई बेवा पत्नी श्री भगवान  
दास जी, (2) श्री अनन्त भाई पुत्र श्री भगवान दास की  
जादव, (3) श्रीमती सरलाबेन पत्नी श्री अनन्तभाई जादव,  
(4) श्री अरुण कुमार, (5) डा० सुनील कुमार पुत्र श्री  
अनन्तभाई निवासी गुड़ी बाखल, मालीपुरा, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री शरदचन्द्र पुत्र श्री छोटा मल जी मूर्धाजैन) निवासी  
सेठ रामचन्द्र की गली, छोटा सरफा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्साक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/868, नमा नं० 8, गली नं० 7, लक्ष्मीबाई  
मार्ग, वाड़े नं० 21, गुड़ी बाखल, मालीपुरा, उज्जैन।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल/78-79/  
1044;—अतः, मुझे, टी० के शीनिवासन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
में अधिक है

और जिसकी सं० बंगला भूमि मकान है तथा जो छिन्दवाड़ा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छिन्दवाड़ा  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 27-10-1977 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय को बाबत उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, लिगने में सुविधा न लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त प्रधिनियम की आरा 269-घ को उपषारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित आक्षियों, अर्थात्:—

9—126 GT/78

1. श्री नर्वदा प्रसाद पुत्र श्री नारायण दास अग्रवाल<sup>1</sup>  
ठेकेदार, निवासी छिन्दवाड़ा।

(अन्तर्क)

2 श्रीमती मल्लीबाई वेवा पत्नी वी नागथण दाम<sup>2</sup>  
अग्रवाल ठेकेदार, निवासी धाढ़ा ऊंगरी नद० ३ जिला वैतूल।  
(अन्तर्गतिः)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अब संपत्ति के प्रत्रेत के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख या 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू नि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बंगला साथ मकान और खुली भूमि स्थित सिविल लाइन, नागपुर रोड, बाई नं० 10, छिन्दवाड़ा (मकान नं० 45)।

टी० के० शीनिवासन

सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कानपुर  
कानपुर, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 13649/अर्जन/मेरठ/7778—प्रतः मुझे,  
आर० पी० भार्गव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- ₹० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार मे स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची मे और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मेरठ मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 17-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए ग्रन्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिगत प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और ग्रन्तरिती  
(ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
गत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक  
रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से कुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक  
के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे  
मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो निनी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम'  
या धृति कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
मे मुविधा के लिए;

प्रतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात :—

1. डा० उदयवीर सिंह (पुत्र खड़क सिंह स्वयं प्रधात  
मुख्यार्थिम् पुत्र मास्टर शेखर नि० चार० क्वार्टर नं०  
7 वाई० नी० आर० एल० डज्जतमगर बरेली।

(अन्तरक)

2. श्री परमानन्द गुप्ता पुत्र खूब चन्द गुप्ता 88/2,  
कैलाशपुरी, गढ़ रोड, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद  
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे  
से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध  
किसी ग्रन्त व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किये जा सकेंगे।

**इष्टोक्तरण :**—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मे  
परिभाषित हैं, वही ग्रन्त होगा, जो उस अध्याय  
मे दिया गया है।

अनुसूची

ग्रन्त सम्पत्ति दुम्जिला मकान नं० 197 स्थित वेस्टर्न<sup>१</sup>  
कच्छरी रोड नदन गाड़न मेरठ 1,20,000 के विक्रय मूल्य  
मे देखी गयी।

आर० पी० भार्गव  
मकान अधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 30-5-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एम०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, कानपुर  
 कानपुर, दिनांक 31 मई 1978

निर्देश नं० अर्जन/825/कानपुर/77-78/1049—।  
 अतः, मुझे आर० पी० भार्गव  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व  
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
 से अधिक है  
 और जिसकी सं० है तथा जो  
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के प्रधीन तारीख 18-10-77  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में;  
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन;  
 निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रिशी राज जैन, 113/45, स्वरूप नगर,  
 कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन दास निवास, 113/45 स्वरूप नगर, कानपुर  
 व लाल चंद व अर्जुन दास 111/93 अशोक नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय  
 किसी अन्य अस्तित्व द्वारा प्रश्नोत्तराकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रश्नोत्तरण:**—इसमें प्रश्नकर्ता और प्रवेश का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
 है, वहा मर्य होगा, जो उप अध्याय में  
 दिया गया है।

### मनुसूची

मकान नं० 113/45 स्वरूप नगर कानपुर 2, 35,000 में  
 बेचा गया।

आर० पी० भार्गव  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-5-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰ —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं. ए० सी० क्य० 23-I-1503 (664)/  
10-1/77-78—अतः, मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० पे अधिक है

और जिसकी सं. म्यूनिसीपल प्लाट नं. 113, सब प्लाट नं.  
113-1 है। तथा जो सुमीयर क्लब रोड, जामनगर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अन्य सूची और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-77  
को पूर्खीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः धब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के मनुसरण  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जतः—

1. श्री ईश्वरलाल जयतीलाल पारेख 10, दिग्विजय  
प्लाट, जामनगर।

(अन्तरिक)

2. (i) सुशीलाबेन देवचंद जालानी शेरी, पीपला स्ट्रीट,  
जाम नगर।

(ii) श्रीमती चमपाबेन जमनादास जालानी शेरी,  
पीपला स्ट्रीट जामनगर।

(अन्तरीक)

को यह सूचना जारी करके पूर्खीकृत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खीकृत  
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकारी, अधोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रथमाय 20-क में परिभाषित है, वही  
पर्याय होगा जो उस प्रथमाय में दिया गया है।

अमृसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2800  
वर्ग फुट तथा 260-12 वर्ग मीटर है तथा जिसका म्यूनिसीपल  
प्लाट नं. 113 तथा सब प्लाट नं. 113/1, एंड तथा जो सुमेरिया  
क्लब रोड पर, जामनगर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन  
29-10-77 वाले बिक्री दस्तावेज न 1528 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर भायुक्त (निरीकण),  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-6-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरभार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांग 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1496(665)/16-6/

77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए गे प्रधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 417, हैं तथा जो टैगोर रोड के नाके पर, कल्याण सोसायटी, राजकोट मे स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का ८०% प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण वे लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधियाँ में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या नियोधन या प्रथा प्राप्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए;

यह मे, 31 अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पटेल पोपट भाई राधवभाई परसना, सर्व तथा निम्नलिखित अवयस्क के अधिभावक के हैसियत से:—  
 (i) अवयस्क अनील पोपटलाल  
 (ii) अवयस्क किशोर पोपटलाल  
 (iii) अवयस्क मणोक पोपटलाल, विद्या नगर, मेन रोड, भाई मंदिर के सामने राजकोट।

(2) श्री चंद्रलाल पोपट साल, राजकोट।  
 2. श्रीमती मुक्तिमीरी भगवानजीभाई वयार, ऐपी कलावाल रोड, महीला कालेज के पीछे राजकोट।

को यह सूचना जारी करना पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यमे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अप्रवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे य किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी प्रथा व्यक्ति द्वारा घोषोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सके।

**स्वाक्षरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन आला प्लाट जिसका कुल धेत्रफल 523-20 वर्ग मीटर है तथा जिसका सर्वे नं० 417 है तथा जो टैगोर नगर नाके पर, कल्याण सोसायटी के पास, राजकोट मे स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 15-10-77 वाले विक्री दस्तावेज नं० 2564 मे दिया गया है।

एम० री० परीख  
 महाम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-6-78

मोहर:

प्रकल्प प्राईंटी एन० एस० —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1978

ए० सी० क्य०-23-1-1499(667)-16-6/

77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च  
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8-बी, सर्वे नं० 374 है। तथा जो जयंत  
सोसायटी, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, राजकोट में है रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 27-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित  
में बास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या भूम्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आप-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना आहुए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त प्रधिनियम, का धारा 269-च के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्ता :—

1. श्री जगमोहन गिरिराजल वस्तारिया (एच० य० एफ०)  
जयंत सोसायटी राजकोट।

(अन्तरक)

2. धीरजलाल वस्ताभाई नौदानवादरा जयंत सोसायटी,  
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षिया होता है ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षिया द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एप्पोइन्टमेंटः—इनमें प्रपूत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक ग्रन्थ सम्पत्ति जो 560 वर्ग गज भूमि पर स्थित है  
जिसका सर्वे नं० 374, प्लाट नं० 8-बी, है तथा जो जयंत  
सोसायटी, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण  
27-10-77 वाले विक्री दस्तावेज नं० 2733 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सकारा प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीखः 5-6-1978

मोहूरः

प्रकृष्ट मार्फ़ाटी टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रावक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूणे-5

पूणे-5, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/निफाड/ आ०क्तु/77/355—यतः  
मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मं० गट क० 3762 है तथा जो चांदोरी, नामिक  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन, तारीख 17-10-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये इन पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावन, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उपसे उपने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, तिथाने  
में भूविद्वा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :

1. श्री लक्ष्मणराव बिनायकराव हिंगो, पो० चांदोरी,  
ता० निफाड़, जि० नामिक।

(प्रत्यक्ष)

2. (1) भिवाजी रामचंद्र कोरडे  
(2) तुकाराम भिवाजी कोरडे पो० चांदोरी, ता०  
निफाड़, जि० नामिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वान्तर मम्पति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त मम्पति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पुर्णकाल व्यक्तियों में से किसी  
भर्ता द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइक्षावारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही  
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रबुसूची

खेतीका जमीन :—गट क० 3762, चांदोरी ता० निफाड़,  
जि० नामिक।

क्षेत्रफल : 2 हेक्टर, 98 आर०, (जैसे की रजिस्ट्रीकृत  
विलेव क० 1172 दिनांक 17-10-77 को सब-रजिस्ट्रार  
निफाड़ के दफतर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर श्रावक्त (निरोक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना-5

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

भाय० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, गणेश रिवेंड रोड, पुणे-5

पुना, दिनांक 6 मई 1978

निदेश स० सी० ए० 5/नासिक/अक्ट० 77/356—यतः मृमि,  
श्रीमती पी० ललबानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्री जिसकी स० सी० ए० क० 6707 है तथा जो नामिक में स्थित है (श्री इससे उपाख्य अनुसूची में श्री और पूणे रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नामिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमि यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है श्री अन्तरक (अन्तरकों) श्री अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में लिया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी धार्य की वाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा ; किंवा।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. (1) श्री दिनकर वामन वर्टी  
(2) श्रीमती मालती दिनकर वर्टी 'वामन निवास', वर्टी कालीनी, नासिक।

(अन्तरक)

2. श्री दिलीप मुरानीधर रहाणे नोमवार पेठ, नासिक।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सिये कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सवाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताकारी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान—स० ए० क० 6707, नामिक, (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1143, दिनांक 14-10-77 को सब रजिस्ट्रार, नामिक के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललबानी  
सहम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुणे।

तारीख: 6-5-78

मोदूर :

प्रकृष्ट प्राइ० टी० एम० एस० —————

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269 व (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूने

पूना-411005, दिनांक 10 मई 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/जनवरी 78/हवेली-II/357—  
यत मुझे, श्रीमती पी० ललवानी  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से प्रधिक है।

और जिसकी सं० कायनल प्लाट नं० 262/ए संगमवाडी  
है तथा जो पूना मे॒ स्थित है (और उससे उपावड़ अनुसूची मे॒ और  
पूर्ण रूप से वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
हवेली-II पूना मे॒, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 12-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से प्रधिक है, और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रस्तुति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ  
वाहनशिक्षण कर से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम, के प्रवीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व  
मे॒ कमी करने या उपसे बचने मे॒ सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन पा प्रन्य प्राप्तियों  
को जिस्मे॒ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे॒ सुविधा  
के लिए;

अतः घब उक्त प्रधिनियम की बारा 269 वा के अनुसरण  
मे॒ मैं उक्त प्रधिनियम की बारा 269 वा की उपबारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवति :—

10—126GI/78

1. (1) जी० एन० बीरवानी  
(2) रमेश एन० बीरवानी, कार्मस हाउस, मेडोज स्ट्रीट  
बम्बई।

(अन्तरक)

2. काइब्ल स्टार को ऑपरेटिव होमिंग सोमायटी लि०  
बंडगार्डन रोड, पूना-91।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के निए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध मे॒ कोई भी भ्राष्टेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो  
भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

**प्रधानकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क मे॒ परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय मे॒ दिया गया  
है।

अनुसूची

जमीन और उपर का मकान जो सी० टी० ए० सं० नं० 23,  
फायनल प्लाट नं० 262/ए संगमवाडी, पूना मे॒ स्थित है।

जिमका क्षेत्रफल : जमीन 8081.336 वर्ग मीटर्स।

इमारत 2520 वर्ग मीटर्स

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 68 दिनांक 12-1-  
78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफतर मे॒ लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख : 10-5-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-5

पूना-5, दिनांक 25 मई 1978

निर्देश सं० सी० ए० ५/एरंडोल I/दिसम्बर 77/358—

यस: मुझे श्रीमती पी० ललवानी,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 46/1 है तथा जो मौजे ताकरखेडे,  
जाव गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
एरंडोल-I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1-12-77

को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों)  
और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के  
निए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप में किया गया है।—

(क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के निए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269४ की उपशारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगन्नाथ विठ्ठल पाटील, कांडोली, तालुका  
एरंडोल जिला जलगांव।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नारायण कृष्णजी जाधव
- (2) श्री मिर्मिह कृष्णजी जाधव
- (3) श्री जगन्नाथ कृष्णजी जाधव
- (4) श्री पांडुरंग कृष्णजी जाधव, फूपनगरी ता० एरंडोल  
जिला जलगांव।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी ग्रामेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रथम शब्दों और पश्चात् का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

खेतीका जमीन:—गट क्र० 46/1, मौजे साकरखेडे शिवर  
ता० एरंडोल जिला जलगांव।

क्षेत्रफल-35 एकर्स 37 गुणे

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1342 दिनांक 1-12-77  
को सब रजिस्ट्रार एरंडोल-I जिला जलगांव के दफतर में  
लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-5-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज- II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1978

निवेश सं०ग० सी० -/ग्रार०-II /कल/78-79-- अतः  
मुझे, ग्रार० बी० लालमोद्या

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 थ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 102-एफ हैं तथा जो निज ग्रालिपुर, डॉवैल्पमैन्ट  
स्कीम XV ब्लाक एफ (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय डी०  
रजिस्ट्रार-24, परणास, आलीपुर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-10-77  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुसृति की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और ग्रातरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तर्गतदो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ यात्रा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य पे उस अन्तरण प्रिक्षित मे  
बास्तविक रूप पे कथित नहीं किया गया है।--

(क) प्रन्तरण पे हुई किसी प्राय की बाबत उस अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बदले म सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या रिसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 239ग के प्रन्तरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपषाया  
(1) के अधीन निम्नलिखित अविनयों, भर्यतः--

1. श्रीमती भवानी देवी

(अन्तरक)

2. श्री दुर्गा शंकर बोस

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्नरितो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

न्यू आलीपुर ब्लाक 'एफ' प्लाट नं० 102 एफ, डॉवैल्पमैन्ट स्कीम नं० 'पद्म' 2 57 कट्ठा जमीन का पर 3 तला मकान है।

ग्रार० बी० लालमोद्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख : 2-6-78

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th May 1978

No. A.12026/1/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad-hoc* basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for a period of three months from 3.5.1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.,  
for Secy.

New Delhi-11001, the 16th May 1978

No. A.12019/2/78-Admn.II.—In continuation of the U.P.S.C. Notification of even number dated 18th March, 1978, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran, permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 1.5.1978 to 31.7.1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Dy. Secy.,  
for Secy.

New Delhi-110011, the 24th May 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 10.4.78, the President is pleased to appoint Shri K. L. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 31.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 27.3.78, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 31.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 31.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 15.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(6).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 8.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(7).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 7.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(8).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Khanna, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 8.5.78 to 30.6.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(9).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Dhingra, a permanent Assistant of the Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 31 days from 10.5.78 to 9.6.78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Dy. Secy.,  
Incharge of Administration,  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## STAFF SELECTION COMMISSION

New Delhi-22, the 30th May 1978

No. 10/112/75-Ad.—Shri K. Gundanna, Statistical Investigator ASO, AG's Branch, Office of the Chief Administrative Officer, Ministry of Defence and presently officiating as Superintendent (Holl) in the Staff Selection Commission, New Delhi, is hereby appointed substantively as Superintendent (Hollerith) in this Commission with effect from the forenoon of 6th May, 1978.

S. HAMID,  
Chairman  
Staff Selection Commission.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st March 1978

No. O.II-270/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service Shri D. P. Sharma relinquished charge of the post of Commandant 6th Bn., CRPF on the afternoon of 30-11-77.

The 2nd June, 1978

No. O.II-894/74-Estt.—The service of Shri S. P. Kathpalia, Section Officer/Adm. Officer in the Directorate General, CRPF are replaced at the disposal of the Ministry of Health and Family Welfare w.e.f. the forenoon of 20-5-78.

The 3rd June 1978

No. O.II-1083/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. V. Srinivasa Rao as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-3-1978 until further orders.

No. O.II-1086/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. S. Rajan as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the afternoon of 4-5-1978 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 16th May 1978

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On transfer from Bhilai, Shri B. R. Luthra, IPS (MP-60), assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General (Recit. & Training) in CISF HQs, New Delhi with effect from the afternoon of 6th May 1978.

The 29th May 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Patna Shri S. P. Dwivedi relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, TIF Naini with effect from the afternoon of 28th April 1978.

On transfer from Patna Shri S. K. Rishi assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, TIF Naini with effect from the afternoon of 28th April 1978.

The 31st May 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Mathura Shri Bhupinder Singh Rana relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, RSP Rourkela with effect from the afternoon of 3rd May 1978.

No. F-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to New Jalpaiguri, Shri K. P. Nayek, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta with effect from the afternoon of 27th April 1978.

No. E.38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Naini Shri S. K. Rishi relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Group HQs Patna with effect from the afternoon of 25th April 1978.

R. C. GOPAL, Inspector-General/CISF

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

Nasik Road, the 31st May 1978

No. 485/A.—In continuation of Notification No. 240/A dated 30.4.1978, the *ad hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Dy. Control Officers, India Security Press, Nasik Road are extended for a further period upto 30-6-1978 on the same terms & conditions or till posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA,  
General Manager

(DEPARTMENT OF ECON. AFFAIRS)

Dewas, the 1st June 1978

F. No. BNP/24/76.—Pursuant to the upgradation of the post of Junior Administrative Officer in the grade of Rs. 650—1200 to that of Administrative Officer in the grade of Rs. 840—1200, Shri C. C. Unnikrishnan, a permanent Section Officer of the Central Secretariate Service Cadre of Ministry of Finance, who is presently holding the post of Junior Administrative Officer on deputation basis, is hereby appointed on deputation basis, to the upgraded post of Administrative Officer in the Bank Note Press, Dewas with effect from 1.6.1978 until further orders.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Jagannath Gupta, a permanent Junior Supervisor (Ink Factory-Production) is appointed as Technical Officer (Ink Factory-Production) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) w.e.f. 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Arun Kumar Ingle, a permanent Junior Supervisor (Ink Factory-Production) is appointed as Technical Officer (Ink Factory-Research and Lab) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978 for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis, the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Y. Janardhan Rao, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri N. R. Jayaraman a permanent Junior Supervisor (Studio & Camera) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of three months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Rampal Singh, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Samarendra Dass, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (MP) on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri M. Dutta a permanent Junior Supervisor (Engraving) is appointed as Technical Officer (Designing & Engraving) in the Bank Note Press, Dewas on *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 month, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis, the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri M. Ponnuthurai, a permanent Junior Supervisor (Electroforming) is appointed as Technical Officer (Printing and Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis, the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SHIVARAM,  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, HARYANA

Chandigarh, the 12th May 1978

No. A/235—The Deputy Accountant General (Admn.), O/o the Accountant General, Haryana, Chandigarh in exercise of powers vested in him by Rule 19(ii) read with Rule 12 of C.C.S. (CCA) Rule, 1965 imposed the penalty on Shri Swami Saran Satsangi officiating Selection Grade Auditor under Rule 11(ix) of Rules *ibid* for his dismissal from service w.e.f. 7.1.73 vide office order No. A/162 dated 14.3.1978 issued vide No. Admn. 1/DAG(A)/SP/Conf/31(1)/5297 dated 14.3.1978 which shall ordinarily be a disqualification for further employment under the Govt.

M. S. GROVER,  
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 29th May 1978

No. Admn.I/II-144(XIV)/44.—The Accountant General, U.P.I., Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each.

1. Jagdish Narain Khanna—12.5.78 F.N.
2. Shri Ram II—18.5.78.

V. RAMACHANDRA RAO,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS AND  
TELEGRAPHHS

New Delhi-110054, the 31st June 1978

O.O. No. Admn. V-76/23(A)(2) Notifications.—The Chief Auditor Posts and Telegraphhs has been pleased to appoint Shri W. C. Sachdeva, Section Officer of the P&T Audit Organisation to the Accounts Officer's (now Audit Officer's) grade (840—40—1000—EB—40—1200) in an officiating capacity, while holding the post of Assistant Finance Officer in Jawahar Lal Nehru University in the scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 24.11.1975 under the second proviso to F.R. 30(1). His promotion is on *ad hoc* basis and is subject to revision.

O.O.No. Admn.V-73/23(A)(2)Notification—The Chief Auditor, Posts and Telegraphhs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiating Audit Officers and to post them in the Posts and Telegraphhs Branch Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on ad hoc basis and are subject to revision.

Sl. No.	Name	P&T Branch Audit Office to which belongs as Section Officer	P&T Branch Audit Office to which posted	Date of promotion as Audit Officer
1	2	3	4	5
S/Shri				
1. S. Sundararajan	Nagpur	Jaipur	9-2-1978 (A.N.)	
2. G. Ramachandra Rao	Hyderabad	Bhopal	17-2-1978 (F.N.)	
3. M. Ganapathy	Madras	Nagpur	23-2-1978 (F.N.)	
4. E. Purushothaman	Trivandrum	Nagpur	6-3-1978 (F. N.)	
5. Sukhbir Singh	Kapurthala	Jaipur	24-4-1978 (F.N.)	

S. KRISHNAN,  
Sr. Deputy Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL ORDINANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta, the 26th May 1978

No. 20/G/78.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri S. K. Bhatia, Pt. D. M. 22nd June, 1976
- (2) Shri D. N. Sarkar Pt. DADG 22nd June, 1976

The 30th May 1978

No. 24/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri R. N. Sengupta, Permt. D.A.D.G.O.F. retired from service with effect from 30th April, 1978 (A/N).

The 31st May 1978

No. 25/78/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, the undermentioned officers retired from service with effect from the dates specified against each :

- |   |                          |
|---|--------------------------|
| (1) Shri M.A.D. Souza, Permt.<br>Dy. G.M.                       | 31st August, 1977 (A.N.) |
| (2) Shri J.P. Shukla, Offg. A.M.<br>(Subst & Permt. S.H.)       | 31st July, 1977 (A.N.)   |
| (3) Shri H.N. Mitra, offg. A.M.<br>(Subst. & Permt. Foreman)    | 30th Sept. 1977 (A.N.)   |
| (4) Shri K.D. Chakraborty, offg.<br>A.M. (Subst & Permt. F'man) | 31st Dec. 1977 (A.N.)    |

No. 26/78/G.—On attaining the age of 58 years, the under-mentioned officers retired from service with effect from the dates mentioned against each:

- |  |                       |
|--|-----------------------|
| (1) Shri B. Parthasarathy,<br>Permt. Manager               | 30th June 1977 (A.N.) |
| (2) Shri R.H. Maitra, Offg. A.M.<br>(Subst & Permt. F'man) | 31st May, 1977 (A.N.) |

No. 27/78/G.—On expiry of the tenure of re-employment for two years from 1-9-1975 Shri M.S. Subramanyan, Ty. Manage retired from service with effect from 31st August, 1977 (A.N.)

V.K. MEHJA  
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 12th May 1978

No. 12/490/65-Admn.(G).—On the expiry of earned leave for 22 days w.e.f. 16.2.78 to 9.3.78 granted to him by the Director, Small Industries Service Institute, Madras, the services of Shri C. Dorali, Deputy Director (Mech.) in the Small Industry Development Organisation are placed at the disposal of the Projects & Equipment Corporation Ltd; for appointment as Marketing Manager w.e.f. 10.3.78 (FN).

V. VENKATRAYULU, Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 30th May 1978

No. 10(1)/73/78/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB.II, dated the 19th December, 1974, namely :—

I. (1) In the Schedule appended to the said Notification, in the existing entry in Column 3 against S. No. 1, for the words and mark "one month's" the words and mark "two months" shall be substituted.

(2) In the existing entry in column 3 against S. No. 2, for the words and mark, "two months", the words and mark "three and half months" shall be substituted.

(3) In the existing entry in column 3 against S. No. 3, for the words and mark, "one and half months", the words and mark "three months", shall be substituted.

II. In the second proviso below the schedule, for the words, "three months" the words "four and half months" shall be substituted.

III. These revised stock limits will take effect from 1st June, 1978

G. S. BHARGAVA,  
Joint Textile Commissioner

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(Admn. Sec. A-6)

New Delhi, the 23rd May 1978

No. A-6/247(347)/62.—The President has been pleased to appoint Shri M. Sankaralingam an officer of the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service Group 'A' to officiate in Grade I of the Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 26th April, 1978 and until further orders.

2. Shri M. Sankaralingam relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Engg.) in the Headquarters office of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 17th April, 1978 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Calcutta Inspection Circle Calcutta on the forenoon of 26th April, 1978.

No. A-6/247(495)/64/III.—The President has been pleased to appoint Shri K. M. Taneja as officer of the Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate in Grade I of the Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 22nd April, 1978 and until further orders.

2. Shri K. M. Taneja relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Metallurgical) in the Headquarters office of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 15th April, 1978 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Directorate of Inspection (Met.) Burnpur on the forenoon of 22nd April, 1978.

SURYA PRAKASH,  
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 31st May 1978

No. 3988/B/40/59/C/19A.—Shri B. K. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rule in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 3.4.78 until further orders vice Shri A. R. Biswas, Assistant Administrative Officer, Central Region, Geological Survey of India.

V. S. KRISHNASWAMY,  
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 31st May 1978

No. A.19011(234)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. N. Makode Assistant Research Officer (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd May 1978 until further orders.

H. K. TANEJA,  
Administrative Officer,  
for Controller.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 30th May 1978

No. E1-5371/579-Sel.74(Cl. II).—In continuation of this office Notification No. E1-5213/579-Sel. 74 (Cl. II) dated 4th May, 1977 the ad-hoc appointment of Shri J. M. Sharma, Officer Surveyor in Group 'B' service is further extended for a further period of one year w.e.f. 30.3.78 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA,  
Major-General,  
Surveyor General of India.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 1st June 1978

No. 11-17/75-AI.—Shri W. N. Jhingon, Asstt. Archivist Gr. I(OR) is appointed to officiate as Archivist (OR) (Cl. II Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from 20th May, 1978 (F.N.) and until further orders [vice Dr. Sarwat Ali, Archivist (OR) on leave]. This adhoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher post.

S. M. PRASAD,  
Director of Archives,

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-700019, the 26th May 1978

No. 29-16/77-Estt.—Shri M. P. Kala, permanent Senior Research Assistant is appointed as Junior Technical Officer in the National Atlas Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 10th May, 1978, until further order.

The 2nd June 1978

No. 35-2/75-Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. K. Chandra, Permanent Senior Research Assistant is promoted to officiate in the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation with effect from 5.5.1975 (F.N.), until further orders.

2. Shri P. K. Adhikary, Field Officer is appointed to the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation on purely temporary and ad-hoc basis with effect from 5.5.1978 (F.N.), until further orders

S. P. DAS GUPTA,  
Director.

DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi the 27th May 1978

No. A.19012/7/78-SII.—Directorate General: Doordarshan is pleased to appoint Shri R. D. Sharma, previously working as A.O. at AIR, Jaipur, as Sr. A.O. at U.D.K. Cuttack in the scale of Rs. 650-1200 w.e.f. 20.12.77 F/N until further orders

C. L. ARYA,  
Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 31st May 1978

No. A.19012/8/70-Exh(A)—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri A. C. Barkatky as Field Exhibition Officer in this Directorate in a purely temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 22.4.78 (Forenoon) until further orders.

S. K. MUKERJI,  
Dy. Director.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th May 1978

No. A.19019/1/78-CGHS.I.—On her transfer from C.G.H.S., Delhi, Hakim (Smt.) Syeda Fatima, Unani Physician relinquished charge of her post on the afternoon of 12.4.78.

Hakim (Smt.) Fatima assumed charge of her post in C.G.H.S., Hyderabad on the forenoon of 22.4.78.

N. S. DHAKAALIA,  
Deputy Director Admin. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 2nd June 1978

No. F.4-6(119)/77-A.III.—The short terms appointment of Shri R. C. Singhal to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 8.6.78 vide this Directorate's Notification of even number dated 23.3.78, has been extended upto 8.9.78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19025/10/78-A.III.—The short terms appointment of Shri S. P. Saxena to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 16-5-78 vide this Directorate's Notification of even number dated 18-2-78, has been extended upto 16-8-78 or until regular arrangements are made whichever is earlier.

No. A.19025/23/78-A.III.—The short terms appointment of Shri H. N. Shukla to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 24-6-78 vide this Directorate's Notification of even number dated 18-2-78, has been extended upto 24-9-78 or until regular arrangements are made whichever is earlier.

No. A.19023/51/78-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri B. K. Sudame, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the pay scale of Rs. 650-1200 at Guntur w.e.f. 22-4-1978 (F.N.) until further orders.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Sudame relinquished charge of the post of A.M.O. at Guntur in the forenoon of 22-4-1978.

No. A.19023/57/78-A.III.—Shri M. Chakraborty, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Faridabad with effect from 25-5-78 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri M. Chakraborty relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Amritsar in the forenoon of 18-5-78.

No. A.19025/72/78-A.III.—Smt. Anasuya Sivarajan, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Bangalore, with effect from 1-5-1978 (F.N.), on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA,  
Director of Administration,  
for Agricultural Marketing Adviser.

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, the 3rd June 1978

No. 4-5/77-Adm.—The services of Shri M. C. Singh, Assistant Conservator of Forests, Govt. of Manipur working as Assistant Conservator of Forests in the Preinvestment Survey of Forest Resources in Bhutan an unit of this organisation are replaced at the disposal of the Govt. of Manipur w.e.f. 31-5-78 (A.N.).

C. L. BHATIA,  
Chief Coordinator.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 24th May 1978

No. 19(7)/71-Confirmation/1047.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri E. Ramakrishnan, a permanent Stenographer and officiating Private Secretary in Bhabha Atomic Research Centre, as Private Secretary in a provisionally substantive capacity against the vacancy caused by the suspension of lien on the post of

Private Secretary in BARC, held by Shri K. Rajan, presently holding the post of Private Secretary to the Governor representing India on the Board of Governors of IAEA, Vienna, with effect from 1-8-75.

Kum. H. B. VIJAYAKAR,  
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 1st June 1978

No. DPS/23/4/77/Est./144701.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. C. Varkey, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 15-5-78 to 17-6-78 vice Shri P. Balasubramanian, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77/Est./144696.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. V. Vaitak, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 1-5-78 to 9-6-78 vice Shri V. C. John, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77/Est./144706.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoint Shri M. Govindan, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 1-5-78 to 3-6-78 vice Shri J. G. Singh, Assistant Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI,  
Assistant Personnel Officer

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 22nd May 1978

Ref : MRPU : 200(15)/78-Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri V. Sripatha Rao an officiating Storkeeper in the Directorate of Purchase & Stores, Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam as officiating Assistant Stores Officer in the same unit with effect from the forenoon of April 17, 1978 to July 15, 1978.

S. RANGACHARY,  
Purchase Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 25th May 1978

No. PAR/1603/846.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri M. Satyanarayana Sa, an officiating Foreman to officiate as SO/Engineer Gr. SB in Mechanical Engineering Services, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from May 17, 1978 FN, until further orders.

No. PAR/1603/847.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri S. Amerender Rao, an officiating Foreman to officiate as SO/Engineer Gr. SB in Mechanical Engineering Services, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from May 17, 1978 FN, until further orders.

U. VASUDEVA Rao,  
Administrative Officer

Anushakti-323303, the 5th June 1978

No. RAPP/Recrt./10(8)/78/S/125.—Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. K. Sharma, a quasi-permanent Post Graduate Teacher and officiating Selection Grade Post Graduate Teacher of this

Project to officiate as Vice-principal in a temporary capacity in the RAPP English Medium School with effect from the forenoon of 1-6-1978 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)  
for Chief Project Engineer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th May 1978

No. AMD.1/30/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. Sukumar, as Scientific Officer/Engineer Grade 'S' in the Atomic Mineral Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th May 1978 until further orders.

The 3rd June 1978

No. AMD.1/11/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. K. Mathur, Officiating Scientific Assistant Grade 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

No. AMD.1/11/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. K. Bhattacharjee, Permanent Foreman (Electrical) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

No. AMD.1/11/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Dhilliwal, Permanent Technical Assistant Grade 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN,  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st March 1978

No. 05045/78/1552.—Shri G. Padmanabhan, officiating Assistant Personnel Officer, Heavy Water Project (Tuticorin), is hereby appointed as a Selection Grade Clerk in a substantive capacity against a supernumerary post in Heavy Water Project (Tuticorin) w.e.f. April 1, 1977.

The 2nd June 1978

Ref : HWPs/Estd./B-27/2631.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, has accepted the resignation tendered by Shri Digamber Vishwanath Bokarkar, a temporary Scientific Officer/Engineer (Grade SB) of Heavy Water Project (Baroda), with effect from the afternoon of January 25, 1978. Shri Bokarkar was relieved accordingly.

K. SANKARANARAYANAN,  
Senior Administrative Officer

## TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 12th May 1978

No. TAPS/1/34(1)/77-R (Vol. II).—Consequent on their selection for promotion to the next higher grade, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned persons in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer SB in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same 11—126GI/78

Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978

## Sl. No. Name &amp; Designation

1. Shri P. Balakrishnan, Scientific Asstt. 'C'
2. Shri D. M. Pandey, Scientific Asstt. 'C'
3. Shri M. S. Santhanam, Tradesman 'G'
4. Shri M. P. Thomas, Tradesman 'G'

A. D. DESAI,  
Chief Administrative Officer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th May 1978

No. F(1)03934.—On attaining the age of superannuation Shri P. L. Talwar, officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1978.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist (Establishment),  
for Director General of Observatories

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st April 1978

No. C.13015/1/77-EW.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Service (Temp. Service) Rules, 1965, a notice of termination of services was served on Shri P. M. Varghese, Fire Operator vide Director General of Civil Aviation, New Delhi's Memorandum No. C.13015/1/77-EW dated the 17-10-77. But the receipt of the aforesaid memorandum has not been received from the said Shri Varghese.

In pursuance of aforesaid rules, notice is hereby given to Shri P. M. Varghese, Fire Operator, Civil Aviation Department, resident of A-390, East Kidwai Nagar, New Delhi-28 that his services shall be terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notification is published in the official Gazette.

F. C. SUD,  
Director of Administration

New Delhi, the 17th May 1978

No. A.12025/1/78-EW.—On his attaining the age of superannuation, Shri V. V. Vaidya, Assistant Fire Officer, Civil Aviation Department, retired from Government service with effect from the afternoon of 31-3-1978.

The 31st May 1978

No. A.12025/1/77-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. Banerjee to the post of Assistant Fire Officer, in the Civil Aviation Department w.e.f. 15-3-78 (FN) until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Calcutta.

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd June 1978

No. A.32014/3/78-E.I.—The Director General of Observatories hereby appoints the undermentioned professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating

capacity with effect from the dates indicated against their names and until further orders :

S. No.	Name	Date from which appointed as Assistant Meteorologist	Office of posting
1.	Shri S.K. Mukherji	5-5-1978	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
2.	Shri Ajit Singh	17-5-1978	Regional Meteorological Centre, New Delhi.
3.	Shri V. Alwar	18-4-1978	Regional Meteorological Centre, Madras.
4.	Shri J. J. Masillamani	10-5-1978	Regional Meteorological Centre, Madras.
5.	Shri G.S. Rentala	19-4-1978	Director, Agrimet, Pune.
6.	Shri S.H. Joglokar	19-4-1978	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.
7.	Shri K. K. Mandal	18-4-1978	Regional Meteorological Centre, New Delhi.
8.	Shri N.G. Sikdar	18-4-1978	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.
9.	Shri Sadananda Roy	18-4-1978	Headquarters Office of Director General of Observatories, New Delhi.
10.	Shri T.K. Roy	29-4-1978	Meteorological Centre, Bhubaneswar under Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.
11.	Shri P. L. Kathane	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Nagpur.
12.	Shri S.K. Das	19-4-1978	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.
13.	Shri M.B. Biswas	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
14.	Shri V.K. Gangadharan	1-5-1978	Regional Meteorological Centre, Bombay.
15.	Shri Krishna Alda	28-4-1978	Meteorological Centre, Visakhapatnam under Director, Regional Meteorological Centre, Madras.
16.	Shri T.D. Pradhan	18-4-1978 (A.N.)	Director, Agrimet, Pune.
17.	Shri S.J. Pakhare	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Bombay.
18.	Shri S.C. Das	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist,  
for Director General of Observatories

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd June 1978

No. 16/273/77-Ests.I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Kundan Singh Bhandari, as Research Officer under the Vth Five Year Plan Scheme "Research and Pilot Demonstration on Increased Production of Oleoresin" at its Research Centre, Shillong under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 14th February, 1978 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR,  
Kul Sachiv,  
Van Anusandhan Sansthan Eam Mahavidyalaya.

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 30th May 1978

No. 17/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Fstt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 of Shri P. N. Banerjee, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Group 'B', Central Excise, MOR Etah in the FN of 23-1-78.

K. PRAKASH ANAND,  
Collector.

#### CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 17th May 1978

##### CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 26/1978.—Shri M. M. Mirchandani, Chemical Assistant Gr. I, Custom House Laboratory, Kandla has been provisionally promoted to Officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Central Excise Laboratory, Bombay with effect from 1-5-78 (F.N.) and until further orders.

D. R. GUPTA,  
Chief Chemist, Central Revenues,  
Appointing Authority.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 1st June 1978

No. A-19012/703/78-Adm.V—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri J. P. Vidwans, Senior Librarian, to the grade of Special Officer (Documentation) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st May, 1978, until further orders.

2. Shri Vidwans will be on probation in the post of Special Officer (Documentation), Central Water and Power Research Station Pune, for a period of two years w.e.f. 1-5-1978.

J. K. SAHA,  
Under Secy.  
Central Water Commission.

#### DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st May 1978

No. 33/1/78-FCIX.—The President is pleased to appoint Shri D. V. S. Sinha, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Dy. Architect (G.C.S. Group 'A') in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs 700—40—900—FB—40—1100—50—1300 plus usual

allowances with effect from 12-5-78(FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Sinha is placed on probation for period of two years with effect from 12-5-78 F.N.

KRISHNA KANT,  
Dy. Director of Administration.

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 30th May 1978

No. 6/5/78-Administration-II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints undermentioned Technical Assistants to grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against their names, until further orders :—

1. Sh. Sri Ram B. Parate,—10th February, 78 (Forenoon)
2. Sh. C. S. Kasana,—10th February, 78 (Forenoon)

S. BISWAS,  
Under Secy.

CENTRAL RAILWAYS  
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay, the 1st June 1978

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) is confirmed in that appointment with effect from the date shown against his name.

*Name & Date of confirmation in Class II Service.*

Shri S. K. Lahiri,—1-12-1977

Bombay V. T.—P. R. Pusalkar, General Manager

F. C. BHANDARI,  
Chief Personnel Officer.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 2nd June 1978

No. E/283/30 Pt.VI(O).—Shri T. Ram, Asstt: Secy. to General Manager (Class II) is appointed to officiate in Sr. Scale as Senior Personnel Officer with effect from 1-1-78.

No. E/283/30 Pt.VI(O).—Shri N. K. Dutta, OS(Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *Ad hoc* measure as Asstt: Secretary to General Manager with effect from 1-1-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri S. A. Alam, ACS(Class II) is appointed to officiate in Sr. Scale as DCS with effect from 7-1-78.

No. E/283/82/Pt.XI(O).—Shri M. N. Das Gupta, CPLI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as ACS with effect from 13-1-78.

No. E/283/82 PVI(O).—Shri M. N. Chaturvedi, APO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as DPO with effect from 19-1-78.

No. E/283/31/Pt.IX(O).—Shri A. K. Ghosh, Asstt. Research Engineer (Cl. II) is appointed to officiate in Senior Scale as DEN with effect from 26-1-78.

No. E/283/30 PVI(O).—Shri A. G. Banerjee, TI(Class III) is appointed to officiate in Class II service as APO with effect from 31-1-78.

No. E/283/30 PVI(O).—Shri M. L. Jand, APO(Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as SPO with effect from 1-2-78.

No. E/283/31 Pt.IX(O).—Shri M. C. Venugopal, IOW (Class III) is appointed to officiate in Class II as AEN with effect from 8-2-78.

No. E/283/III/128 PII(O).—Shri A. D. Sinha, Sr. Foreman (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as AEE with effect from 11-2-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri C. R. Roy, ACS(Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as SCO with effect from 3-3-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri V. Kumar, YM(Class III) is appointed to officiate in Class II service as ACS with effect from 5-3-78.

No. E/283/III/54 PVIII(O).—Shri H. N. Majumder, OS (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as PA to CME with effect from 7-3-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri A. K. Shome, TI(Class III) is appointed to officiate in Class II service as ACS with effect from 10-3-78.

No. E/283/III/129 PII(O).—Shri S. R. Das Sarma, ACOS(Class II) is appointed to officiate in Senior Scale with effect from 11-3-78.

No. E/283/III/142 PII(O).—Shri K. C. Barua, Inspector (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure with effect from 23-3-78.

M. R. N. MOORTHY,  
General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s Sri K. Muthu and Company Private Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 3778/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri K. Muthu and Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sri Maruthambikai Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 3835/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Maruthambikai Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Amasam Aromatics (Private) Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 4150/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Amasam Aromatics (Private) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Easy Roadways Private Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 4378/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Easy Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN,  
Asst. Registrar of Companies,  
Tamilnadu.

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
MAHARASHTRA**

Bombay, the 1st June 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gateway Tours Private Limited*

No. 12899/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gateway Tours Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Bombay, the 1st June 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Aquarious Shipping Co. Pvt. Ltd.*

No. 17242/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Aquarious Shipping Co. Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. A. VIJAYNMENON,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
WEST BENGAL**

Calcutta, the 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Lockfast Chemicals Private Limited*

No. 38077/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Lockfast Chemicals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH,  
Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal.

**OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

Shillong-793001, the June 1978.

In pursuance of provision Sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government being of opinion that it is expedient in public interest to do so, and in exercise of the powers conferred on me by the Central Government in this behalf, I hereby publish the names and other particulars hereinafter specified of persons assessed in this Charge who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more as on the last day of the financial year 1977-78.

Sl. No.	Name & address of the assessee	Amount in default
		Rs.
1.	M/s. Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam.	2,47,941
2.	Shri Durgadutt Sharma, C/o. M/s. Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam.	8,37,424
3.	Sheikh Mohammed Nawab, Jorhat, Assam.	1,50,626
4.	Late Israil Khan, Panchali, Dibrugarh, Assam.	2,49,559
5.	M/s. Mangal Chand Ramkumar & Co., Dibrugarh, Assam.	1,66,457
6.	Sardar Gurbachan Singh, C/o. Ramkrishna & Co., B-26, Kailash Colony, New Delhi-48.	1,43,202
7.	M/s. Tolaram Bijoy Kumar, H. U. F., Dhubri, Assam.	1,15,924

S. N. SEN,  
Commissioner of Income-tax  
North Eastern Region : Shillong

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Bhabani Debi,  
No. 16, Hindusthan Park,  
Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Durga Sankar Basu,  
33, Janak Road,  
Calcutta-29.

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd June 1978

Ref. No. Ac-9/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V.  
LALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102F situated at New Alipore Development Scheme No. XV, Block-F (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Distt. Registrar 24-Parganas, Alipore on 6-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Hindustan Co-operative Society Ltd., New Alipore Development Scheme No. XV, Block 'F', Plot No. 102F, Area 2.37-cottahs with three storeyed buildings.

R. V. LALMAWIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th June 1978

Ref. No. ASR/17/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 1026 Min situated at Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Lal Chand s/o Shri Hari Chand, Tilak Raj, Raj Kumar Janak Raj s/o Shri Lal Chand, 7-B, Green Avenue, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Jagan Nath, Shri Manohar Lal, Vijay Kumar, Vinod Kumar s/o Om Parkash r/o Kucha Tawarian, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 405 sq. m. as mentioned in the regd. deed No. 2438 of October, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 6th June 1978.

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Teja Singh,  
R/o Patti Distt. Anritsar,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th June 1978

Ref. No. ASR/18/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar City in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

(2) Shri Vishwa Nath s/o Shri Munshi Ram  
R/o Partap Bazar, Cheharta.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the regd. deed No. 2264 of October, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 6th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/131/Sept.I(14)/77-78.—Whereas, I, J. S. GILL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-363 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri S. Kartar Singh, S/o S. Saudagar Singh R/o Z-1/A, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferee)

(2) Shri S. S. Saxena, s/o Late Shri G. L. Saxena R/o 254, Dr. Annie Besant Road, Piplika Devi, Bombay-400025.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-Hold plot No. 363 Block 'E' measuring 250 sq. vds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi in the area of Village Bahapur, within the limit of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Plot No. E-361  
West : House No. E-365  
North : Service Lane  
South : Road.

J. S. GILL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 16-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Charanjeet Lal Sharma s/o Shri Bhagat Ram  
R/o F-101 Ashok Vihar, Delhi.  
(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanta Jain alias Smt. Surinder Kanta Jain  
w/o Shri Dev Raj Jain r/o 3/14 Roop Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

New Delhi, the 8th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1307/78-79.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20/82 situated at Shakti Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 19-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A three side open free-hold plot of land No. 82 in block 20 (20/82) area measuring 200 sq. yds. situated in Shakti Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane  
South : Service Lane  
East : House No. 20/81  
West : Main Road.

N. S. CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
12-126GI/78

Date : 8-6-1978

Seal:

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, 5th June 1978

Ref. No. 4422/Sep./77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 86, Rajendra Prasad Road situated at Talabab, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudhipuram (Doc. No. 828/77) on 7-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri K. Natarajan  
(2) Shri K. Velusami  
S/o Shri Kuppanna Mudaliar,  
No. 87A, Dr. Rajendra Prasad Road Talabab,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri C. Chockalingam S/o Chinna Rama Mudaliar,  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vaduga Palayam Avanashi Taluk, Coimbatore.  
Land admeasuring 17 Cents and 435 sq. ft. (with building)  
situated at Door No. 86, Dr. Rajendra Prasad Road, Talabab  
Coimbatore.

(T. S. No. 747, T. P. Scheme No. 5).

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-6.

Date : 5-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri T. D. Ramasubramaniam  
S/o late Dr. T. S. Doraisamy; and  
Smt. S. Jamuna W/o Shri T. D. Ramasubramaniam,  
No. 21 Madley Road, T. Nagar, Madras-17.  
(2) Mr. D. Kamaltheen S/o Mr. Dawood,

(Transferor)

Yembal village, Thirumayam Taluk, Pudukkottai District.  
Mr. K. A. S. Mohamed Ibrahim S/o Mr. K. A. Syed Mohamed,  
No. 15 Muslim Street,  
Aranthangi, Pudukkottai District.

(Transferee)

- (2) (1) Aravindan Stores;  
(2) National Textiles Corporation; and  
(3) Chintamani Super Market.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, 5th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Land measuring 1 ground and 516 sq. ft. and ground floor bearing Door No. 21-A Madley Road, T. Nagar, Madras-17. (T.S. No. 5675/2, Old S. No. 162/2).

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-6.

Date : 5-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) covered by Doc. No. 1466/77.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Natarajan,  
No. 31, Thorapunjji St, Karaikal.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, 5th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. 8011/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

covered by Doc. 1466/77 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at TSR Pondicherry (Doc. No. 1466/77) on 27-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land and building covered by Doc. No. 1466/77 (JSR Pondicherry).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jiwa Singh son of Shri Gohala Resident of Village Oind Tehsil Roopnagar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. RPN/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 23 bigha and 19 Biswas situated at Village Oind Tehsil Roop Nagar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roopnagar, in October, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Bhag Singh son of Shri Jiwa Singh Resident of Village Oind Tehsil Roopnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 23 bigha 19 biswas situated in village Oind Tehsil Roopnagar.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2034 of October, 1977 of the Registering Officer, Roopnagar).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date . 2nd June 1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Anil Kumar S/o Shri Sukhdev Rai Resident of Kothi No. 63, Sector-19-A Chandigarh.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/31/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  $\frac{1}{2}$  share of shop measuring 14'×86' situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh, in February 1978,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(2) Shri Suraj Mal s/o Shri Johari Lal, R/o Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

$\frac{1}{2}$  share in Shop measuring 14'×86' situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1409 of February, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd June 1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Santosh Rani w/o Shri Sukhdev Rai  
R/o Kothi No. 63, Sector-A9 Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Sat Narain son of Shri Johri Lal, R/o Loha  
Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. ^ML/30/77-78.—Whereas, T. NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share in shop measuring 14'×86' situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh, in February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share in Shop measuring 14'×86' situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1408 of February 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mann Singh s/o Shri Poholo Singh, R/o Mandi Gobindgarh.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bharat Iron & Steel Rolling Mills,  
R/o Mandi Gobindgarh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AML/17/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 Share of land measuring 2 bigha 6 biswa situated at Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in December, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (77 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3 share of land measuring 2 bigha 6 Biswa situated in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1133 of December, 1977 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2nd June 1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Poholo Singh,  
R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) M/s. Bharat Iron & Steel Rolling Mills,  
Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/20/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Arquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 Share of land measuring 2 Bigha 6 Biswa situated at Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at Amloh in December, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—126GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 Share of land measuring 2 Bigha 6 Biswa situated in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1168 of December, 1977 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Guru Arjan Iron & Steel Rolling Mills,  
Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

2) M/s. Bharat Iron & Steel Rolling Mills.  
Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE  
 CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/21/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 8 Biswas situated at Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh, in December, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Biswas situated in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 116 of December, 1977 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd June 1978  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Singh S/o Shri Poholo Singh,,  
R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) M/s. Bhawal Iron & Steel Rolling Mills,  
R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE  
 CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/16/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3 share of 2 Bigha 6 Biswa, situated at Guru-Ki-Nagari Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in December, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

1/3rd share of land measuring 2 Bigha 6 Biswa situated in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1111 of December, 1977 of the Registering Officer, Amloh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd June 1978

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. LDH/203/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bidg. measuring 634-2/3 sq. yds. bearing municipal No. B-XIX/189/3 situated at Major Gurdial Singh Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereunto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suresh Pal Mittal, S/o Shri Bal Kishan Dass, R/o B-XIX/189/3 Maj. Gurdial Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Puran Chand S/o Shri Khazanchi Lal, BVIII/353 Moch Pura Ludhiana,  
At present BXIX/189/3 Maj. Gurdial Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot measuring 634-2/3 sq. yds. bearing municipal No. B-XIX/189/3 situated at Major Gurdial Singh Road, Ludhiana).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2072 of October, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Prem Kaur Wd/o S. Partap Singh,  
R/o Kothi No. 355-R Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Mis Santosh Wati w/o Shri Om Parkash Gupta,  
R/o Kothi No. 110-R Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. LDII/213/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 420, situated at Parnasree Pally, P. S. Behala Kothi No. 110-R, Model Town measuring 405.87 sq. yds. situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

Kothi No. 110-R measuring 405.87 sq. yds. situated in Model Town, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2278 of October, 1977 of the Registering Authority, Ludhiana)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978  
Seal .

## FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Kundan Singh s/o Shri Bukan Singh,  
Shri Bhadur Singh S/o Shri Kundan Singh,  
R/o Sankar Tehsil Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh Pannu s/o Shri Bahadur Singh,  
R/o 38-F Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. LDH/333/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU RAM,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-15-A A plot measuring 450 sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in October 1977,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDEULE**

A plot bearing No. 15-15-A measuring 450 sq. yds. situated in Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2100 of October, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd June 1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Balbir Singh S/o Hari Singh Attorney of S.  
Harbhajan Singh S/o Waryam Singh of Tripri.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 5th June 1978

Ref. No. PTA/57/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU RAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 4058 sq. yards situated at Tripri (Patiala), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (1) Shri Lal Inder Singh  
(2) Shri Balinder Singh,  
(3) Shri Harjinder Singh }  
S/o Sukhinder Singh  
Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4058 sq. yards situated in village Tripri Tehsil and District Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3553 of October, 1977 of Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd June 1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 5th June 1978

Ref. No IDH/204/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

A shop measuring 48 sq yards, situated at Shop No B/7/1150 Opposite Clock Tower, G T. Rd., Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritam Singh S/o Naranjan Singh, R/o Mohalla Miller Ganj, Kucha Nanak Puri, Gali No. 6B/16/304, Ludhiana.

(Transferor)

(2) (1) Shri Teja Singh S/o Bhagat Singh and (2) Smt. Parkash Kaur w/o Shri Teja Singh, C/o M/s Bombay Watch Co., Opposite Clock Tower, G T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A shop measuring 49 sq. yards No. B/7/1150, Opposite Clock Tower, G. T. Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2083 October, 1977 of Registering Officer, Ludhiana).

**NATHU RAM,**  
**Competent Authority**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 5 June 1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) (i) Shri Sagarmal Champalalji;  
(ii) Shri Nirmalkumar Sagarmal;  
(iii) Shri Mahendrakumar Sagarmalji, r/o  
H. No. 7, Gas House Road, Indore.

(Transferee)

- (2) Shri Anandilal Mangilal, C/o M/s Anand Umbrella  
Stores, Shop No. 92, Nagar Nigam Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1014.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No House situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Indore on 28-10-77,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value  
of the aforesaid property and I have reason to believe that  
the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereinafter as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

House No. 4, Gas House Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

14—126GI/78

Dated : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kantabai w/o Shri Chandmal, R/o E-21, Gorakhpur Road, Jaipur, Jaipur (Rajasthan).

(Transferor)

(2) 1. Shri Govindram S/o Shri Salamat R/o 63, Saket Nagar, Indore. 2. Shri Sunder S/o Shri Govindram, R/o 63, Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1015.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 63, Saket Nagar, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhimjibhai Waghela s/o Shri Popatlal Waghela,  
r/o 12, Namli Kothi, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1016.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-10-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 2, Street No. 1, Kachi Mohalla, Indore.

T. K. SRINIVASAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Bhanwarlal s/o Shri Baldeoji Dagdi, r/o-50,  
Radha Nagar, Indore,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Kiran Ginwani, w/o Shri Shyamsunder Ginwani, r/o 20-B, Prem Nagar Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1017.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. House situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on 15-10-77,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

House No. 20-B Prem Nagar, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

Dated : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Sayad Ahamad s/o Shri Hakim Ahamad Rehman, r/o 78, Ranipura, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Pappu Harbux Sharma, r/o 6/7, Chhoti-gwal Toli, Indore.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1018.—Whereas, I,  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No Open Plot situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on 20-10-77,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Open Plot No. 39, Jaora Compound, Main Road, Indore.

T. K. SRINIVASAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Date : 3-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Shivshakti Grah Nirman Sahkari Samiti Mar-yadit, 75, Khajuri Bazar, Indore.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Rajendrasingh Pratapsingh Modi r/o 6/7, Mahesh Nagar, Indore.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1019.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 20-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

**THE SCHEDULE**

Plot No. 5, at 25, Yeshwant Niwas Road, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

T. K. SRINIVASAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bakht Singh Ottamsinghji, r/o H. No. 302,  
Vishnupuri, Indore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gurubaba Kripaldas Udasi Chela Gurubaba  
Santdasji, r/o 144, Bairathi Colony, Indore.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1020.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Open Plot situated at Indore,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering officer at  
Indore on 29-10-77  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open Plot No. 20-A, at Prem Nag Colony, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 3-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
2. Smt. Mrinalini Raje, w/o Shrimant Malhar Rao Holkar,  
3. Shri Jardipendrasingh;  
4. Shrimant Anshumanrao,  
5. Shrimant Gautamrao;  
all r/o Ramnivas Koti, Pipliyapala Indore.

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

- (2) Shri Dhanraj s/o Chagganlal Jain, r/o 36/2, Rajwada, Indore.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1021.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Front Part of H. No. 34, Rajwada, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely : —

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1022.—Whereas, I,  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. House (Part) situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registration Officer at  
Indore on 25-10-77,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
2. Smt. Mrinalini Raje, w/o Shrimant Malhar Rao Holkar;  
3. Shri Jagdipendrasingh;  
4. Shrimant Anshumanrao;  
5. Shrimant Gautamrao;  
(all 1/o Ramniwas Kothi), Pipliyapala, Indore.  
(Transferor)
- (2) Smt. Amrithabai W/o Jivraj, 1/o Muchhal Bhawan,  
169, M.T. cloth Market, Indore.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDEULE**

Part of Eastern Portion of H. No. 34, Rajwada Chowk,  
Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
2. Smt. Mrinalini Raje, w/o Shrimati Malhar Rao Holkar;  
3. Shri Jagdipendrasingh;  
4. Shrimant Anshumanrao;  
5. Shrimant Gautamrao;  
(all r/o Ramniwas Kothi), Pioliyapala, Indore.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

- (2) Shri Jivraj S/o Tokarsi, r/o 196, M.T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/78-79/1023.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN,  
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of Eastern Portion of H. No. 34, Rajwada Chowk, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA -

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1024.—Whereas, I  
**T. K. SRINIVASAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 House (Part) situated at Indore.  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
 2. Smt. Mrinalini, Raje, w/o Shrimant Malhar Rao Holkar;  
 3. Shri Jagdipendrasingh;  
 4. Shrimant Anshumanrao;  
 5. Shrimant Gautamrao;  
 (all r/o Ramniwas Koti), Piphyapala, Indore.

(Transferors)

- (2) Shri Rajinder Kumar Basantilalji Bantia, 34, Rajwada Chowk, Indore.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**E X P L A N A T I O N :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Part of Eastern Portion of H. No. 34, Rajwada Chowk, Indore.

**T. K. SRINIVASAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Babulal Jain S/o Shri Daulatram Jain, R/o Loha Bazar, Bhopal.  
(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) 1. Smt. Ramkalidevi w/o Shri Chaggan Lal, 2. Shri Chaganlal S/o Shri Mannalal Soni, R/o Chandpura, Teh. & Distt. Raisen.

(Transferors)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1025.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
House situated at Bhopal,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal on 31-10-1978,  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per-  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer is agreed to between the parties has not  
been truly in the said instrument of transfer with the object  
or—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Three storeyed house in Ward No. 15, Mangalwara, Bhopal.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons  
namely :—

Dated : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Noorbi W/o Jalil Khan Pathan, R/o Islam-pura, Bhopal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1026.—Whereas, I  
 T. K. SRINIVASAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. House situated at Bhopal,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-11-77,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Abdul Latif Khan S/o Shri Abdul Hamid Khan R/o Unani Safakhana, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed house in Ward No. 29, Jinsi Road, Jhangirabad, Bhopal.

T. K. SRINIVASAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978  
 Seal :

**FORM ITNS**

(1) M/s Tanwani Trading Company, Jagdalpur, through its four partners.  
(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s Shri Sidheshwar Rice & Oil Mill, Aghanpur through its eight partners.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1027.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Bldg & Mac situated at Jagdalpur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 28-11-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Khasra No. 16 area 3.80 acres out of total area 4.80 acres, situated at village Aghanpur, Distt. Bastar, including all Buildings, machineries, Plants, Rice Mill, Oil Mill Plant, complete with expellers and Oil Ghanis complete with electric motors and one steam boiler and all or every immovable properties standing or attached to the said lands.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1028.—Whereas, I  
 T. K. SRINIVASAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
 immovable property having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 No. House (Part) situated at Indore,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the  
 Registration Act (16 of 1908) in the office of the  
 Registering Officer at  
 Indore on 25-10-77,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the  
 aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
 market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
 consideration therefor by more than fifteen per cent of  
 such apparent consideration and that the consideration for  
 such transfer as agreed to between the parties has not been  
 truly stated in the said instrument of transfer with the  
 object of :—

- (1) 1. Shri Malhar Rao Holkar;  
 2. Smt. Mrinalini Raje W/o Shri Malhar Rao Holkar;  
 3. Shri Jagdipendrasingh;  
 4. Shri Anshuman Rao;  
 5. Shri Goutam Rao and  
 6. Ku. Sangita Raje D/o Malhar Rao Holkar,  
 r/o Ram Niwas Kothi Piplya Pala, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Mansukhlal M. Sojatiya, HUF through Karta Om Prakash Sojatiya, R/o 27, Rajwada, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Western Portion of House No. 34, Rajwada, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1029.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt Narmadabai wd/o Shri Kanhaiyalalji Ozha; Shri Mahendrakumar; 3. Shri Tarunkumar S/o Shri Kanhaiyalal Ozha, R/o 10/2, Tamboli Bakhali, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra S/o Shri Sitalam Jain, R/o 108, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Eastern Portion of House No. 2, Tamboli Bakhali, Main Road, Indore.

T. K. SRINIVASAN.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Damodar S/o Onkarlal & Shri Satyanarayan  
S/o Onkarlal, R/o Khurampura, Tarajpur, Dist. W.  
Nimar, Khargone (M P )

(Transferor)

(2) Shri Mangilal S/o Keshrimal Kothari, r/o Kasba  
Sanwer, (MP).

(Transferee)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79|1030.—Whereas, I,  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority, under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. House situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Indore on 17-10-77,  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act  
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
16—126GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 59, at Sahid Bhagatsingh Marg, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri Mohd. Yusuf s/o Abdul Khalil, R/o Silawat-pura, H. No. 128, Indore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1031.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Shivkumar Antarvedi s/o Shri Chunnilalji Antarvedi, 1/o 60, Veer Sanwarkar Market, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated on Plot No. 16, North Harsiddhi, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1032.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 14-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Saitschandra S/o Shri Sohanlalji Sanghi, R/o 25, Palasia Main Road, Indore; (2) Smt. Anandibai d/o Shri Thakur Atmaram Singh Bayas, Executor, R/o 7/2 Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchanbai w/o Shri Anantlalji Maheshwari, r/o 146, Dashera Maldan, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 6/267 (Part) situated at Shanku Marg, Freeganj, Ujjain.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal:

**FORM ITNS**

(1) 1. Shri Dattu; 2. Shri Murlidhar, both sons of Sri Jivram Patil r/o Baghoda, Bujrug, Teh. Rawer.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Waman s/o Yeshwant Vichwe; & Shri Santosh s/o Yeshwant Vichwe (minor) r/o Kochur Bujrug, Teh. Rawer.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1033.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land situated at Village Dighe, Teh. Burhanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 4-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Agricultural land 16.97 acres Kh. No.(New) and Kh. No. 25 (old) in village Dighe, Teh. Burhanpur, Dist. East Nimar & well.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978  
Seal :

Wow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Kesharbai Ramsinghji Dhoora, R/o H. No. 29,  
Subhash Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Jashibai Shantilalji Saraf, Rajgarh, Teh. Sardarpur, Distt. Dhar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1034.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

H. No. 29, Subhash Marg, Indore, (Part comprising of ground floor and first floor with land under the building).

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Kesharbai Ramsinghji Dhoora, r/o H. No. 29,  
Subhash Marg, Indore.  
(Transferor)
- (2) Smt. Subhadrabai Manoharlalji Jain, r/o Rajgarh,  
Teh. Sardarpur, Distt. Dhar.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1035.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. H. No. 29, Subhash Marg, Indore (Part comprising of only 2nd floor and 3rd floor with terrace & room on terrace but without land).

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vithal Waman Khole, Seth Apartment Kailash Park Colony, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitribai w/. Hiralalsa, Ozhar Township, Tch &amp; Distt. Nasik Maharashtra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1036.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

House No. 112, Kailash Park Colony, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1037.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Surendrasingh Rajendrasingh Namli, R/o 1/1, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shantidevi w/o Shri Ramnarayanji Gupta, r/o 54, Malharganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 1/1, at South Tukoganj, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(2) Smt. Mahalakshmi Grah Nirman Sahakari Samiti, Indore, through President Sircmal Chordia s/o Shri Keshrimal Chordia, 48, Mahavir Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rakhabchand S/o Shri Mishrilal Jain, r/o Nihalpura, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1038.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XKA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 44, at Mahavir Nagar, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—126GI/78

**FORM ITNS**

(1) Shri Dinkar Madhav Kutumbale, 12, Khatipura, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1039.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 15-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) (i) Shri Ramratan Datarsingh, r/o 10/3 Snehlata-ganj, Indore; (ii) Shri Bhagwansingh Shri Kishan, & (iii) Ayodhyabai Wd/o Shri Kishan, 1/3, Snehlata-ganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

House No. 10, Street No. 3, Snehlata-ganj, Indore—Comprising Area 80'×28'2". (Eastern Portion).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Balkrishna s/o Keshavraoji Dighe, at present residing at Indrapuri Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Indirabai wd/o Umajirao Manurkar, r/o Ujjain.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1040.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 13-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 6:135 (part), new No. 13, situated at Sabid Park, Ujjain.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) (i) Shri Kaluram s/o Shri Hiralal; (ii) Smt. Parwati Bai w/o Shri Kaluram, R/o Barwani.  
(Transferor)
- (2) Shri Deepak Bhai Ramesh S/o Shri Ghisaram Bhatia, R/o Ranjeet Chowk, Barwani.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1041.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Barwani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barwani on 31-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House situated at Ranjeet Chowk, Basti Barwani.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Adil S. Marfatia, 9/7 Parsi Mohalla, Indore.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Shri Laxmandas Lalchand, Jairampur colony,  
Indore.  
(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1042.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 11-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

H. No. 81, M. T. Cloth Market, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 3-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1043.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 26-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Smt. Ayodhyabai wd/o Bhagwandasji; (ii) Shri Anantbhai s/o Bhagwandasji Jadhav; (iii) Smt. Sarlaben w/o Shri Anantbhai Jadhav; (iv) Shri Arunkumar & (v) Dr. Sunilkumar s/o Anantbhai, R/o Gundi Bakhali, Malipura, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Sharadchandra S/o Shri Chhotmalji Mutha, (Jain), R/o Seth Ramchandra-ki-gali, Chhota Sarafa, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 1/868, New No. 8, St. No. 7, Laxmibai Marg, Ward No. 21, Gundi Bakhali Malipura, Ujjain.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Narbada Prasad S/o Shri Narayandas Agarwal,  
Contractor, R/o Chindwara.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mallibai wd/o Shri Narayandas Agarwal,  
Contractor, R/o Ghoda Dongri, Tch. & Distt. Betul

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1044.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bungalow, Land &amp; Out-houses situated at Chindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chindwara on 27-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A bungalow with out-house and open land, situated at civil Line, Nagpur Road, Wd. No. 10 Chindwara (House No. 45.)

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 30th May 1978

Ref. No. Acq/1364-A/Meerut/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 17-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Dr. Udaiveer Singh S/o late Kharak Singh Self and Mukhtaraam of his son Master Shekhar R/o IV, No. 7 Y.V.R.L. Ijjatnagar, Bareilly. (Transferor)
2. Shri Parmanand Gupta S/o Khoob Chand Gupta 88/2, Kailashpuri, Garh Road, Meerut. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storied house bearing new No. 197, situated at Western Kutcheri Road, Nandan Garden, Meerut, Transferred for an apparent Consideration of Rs. 1,20,000/-.

R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-5-78  
Seal :

## FORM ITNS

1. Shri Rishi Raj Jain, 113/45, Swaroop Nagar, Kanpur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st May 1978

Ref. No. Acq/825/KNP/77-78/1049.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 18-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

2. S/Shri Mohan Das R/o 113/45, Swaroop Nagar, Kanpur and Lal Chand & Arjun Das 111/93, Ashok Nagar, Kanpur.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House property bearing No. 113/45, Swarrop Nagar, Kanpur, Transferred for an apparent consideration of Rs. 2,35,000/-

R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

126 GT/78

Date : 31-5-78

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Ishwarlal Jayantilal Patelkh, 10, Digvijaya Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sushilaben Devchand, Zulmnozar, Pipla Sheri, Jamnagar, Smt. Champaben Jamnadas Zulmnozar, Pipala Sheri, Jamnagar.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1976

No. Acq.23-I-1503(664)/10-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal Plot No. 113, Sub. Plot No. 113/1 situated at Sumair Club Road, Jamnagar. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junnar on 29-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 2800 sq. ft. i.e. 260-12-58 meters, bearing Municipal Plot No. 113, Sub-plot No. 113/1, situated at Sumair Club Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1528 dated 29-10-1977.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2nd June, 1978  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) I. Patel Popatbhai Raghavbhai Parsana self and as guardian of the minors :  
 1. Minor Anil Popatbhai,  
 2. Minor Kishor Popatbhai and  
 3. Minor Ashok Popatbhai, Vidyanagar, Main Road, Opp. Mai Mandir, Rajkot.

II Shri Chandulal Popatlal, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Smt. Muktagauri Bhagwanjibhai Vaghari, Happy Home, Kalavnd Road, Behind Mahila College, Rajkot.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1976

No. Acq.23-I-1496(665)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 417 situated at the junction of Tagore Road, Nr. Kalyan Society, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 523-20 sq. mts. bearing S. No. 417, situated at Junction of Tagornagar, near Kalyan Society and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2564 dated 15-10-1977.

S. C. PARikh,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 2nd June, 1978

Seal :

**FORM ITNS—**

- (1) Shri Jagmohan Girdharlal Vakharia (HUF), Jayant Society, Rajkot.  
(Transferor)
- (2) Shri Dhirajlal Vastabhai Naundhanavadar Javant Society, Rajkot.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1978

No. Acq.23-I-1499(667)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8-B, S. No. 374 situated at Jayant Society Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27th Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A building standing on land admeasuring 560 sq. yds. bearing S. No. 374 Plot No. 8-B situated at Jayant Society, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2733 dated 27-10-77.

S. C. PARikh,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5th June, 1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Laxmanrao Vinayakrao Hingane, At & Post Chandori, Tal. Niphad, Dist. Nasik.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-411 005

Pune-411 005, the 6th May 1978

Ref No : CAS/Niphad/Oct '77/355.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Gat No. 3762 situated at Chandori, Distt. Nasik  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Niphad on 17-10-77  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,

(2) (1) Lui Bhivaji Ramchandra Korde, (2) Shri Tukaram Bhivaji Korde, At & Post : Chandori, Tal. Niphad, Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land Gat No. 3762 at Chandori, Tal. Niphad Dist. Nasik, Area 2 H-98 R.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1172 dated 17-10-77 in the office of the Sub-Registrar, Niphad).

Smt. P. LALWANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date 6-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Dinkar Waman Warti, (2) Smt. Maratu Dinkar Warti, "Waman Niwas", Warti Colony, Nasik-1.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Muralidhar Rahane, Somwar Peth, Nasik. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-411 005

Pune-411 005, the 6th May 1978

Ref. No. CA5/Nasik/Oct '77/356.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 6707, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 14-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House property C. S. No. 6707 at Nasik.  
(Property as described in the sale deed registered under No. 1143 dated 14-10-1977 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. P. LALWANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 6-5-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) (1) Gope N. Virwani, (2) Ramesh N. Virmani.  
Commerce House, Medows Street, Bombay-1.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Five Star Co-operative Housing Society Ltd. Bund Garden Road, Poona-1.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, PUNE-411 005

Poona 411 005, the 10th May 1978

Ref. No. CA5/Jan. '78/Haveli-II/Poona/357/78-79.—  
Whereas, I, Smt. P. LALWANI,  
being the Competent Authority under Section 269B,  
of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Final plot No. 262A situated at Sangamwadi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
Haveli-II, Poona on 12-1-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
or

**THE SCHEDULE**

Final plot No. 262A at Sangamwadi, T. P. Scheme III.  
Area 8081 sq. mts. & C. T. S. No. 23 Poona city with building 2520 sq. mts.

(Property as described in the Sale deed registered under  
No 68 12-1-78) in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II,  
Poona).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Smt. P. LALWANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

Date : 10-5-1978  
Seal :

## FORM ITNE-----

(1) Shri Jagannath Vitthal Patel, At Kadholi, Tal. I  
dol, Dist. Jalgaon  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. (COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX)

ACQUISITION RANGE PUNE-411 005

Poona-411 005, the 25th May 1978

Ref. No. CA5/Erandol I/Decr. '77/358—Whereas, I,  
Smt. P. LALWANI  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property having a  
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Gat No. 46/1 situated at Mouje Takarkhede, Jalgaon  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Erandol-I on 1-12-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Gat No. 46/1, at Mouje Takarkhede  
Shivar, Tal. Erandol, Dist. Jalgaon Area 34 acre 37 Guntha.  
(Property as described in the sale deed registered under  
No. 1342 dated 1-12-1977 in the office of the Sub Registrar  
Erandol-I, Dist. Jalgaon)

Smt. P. LALWANI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Date : 25-5-1978  
Seal :

